॥ वास्तुकर्म ॥
Vastu - Karm
Consultant Pvt. Ltd.
- Architects
- Engineers
- Planners
- Construction
- Vastu Consultant
- Valuers
- वास्तु शान्ति विधान

Er. Chaitanya Kumar
7471171755
info@vastukarm.com

Real Estate Developers

25 FG, Yash Avenue, Scheme 54, Vijay Nagar, Indore- 452 010
www.vastukarm.com

RNI No. MPHIN/2007/22188

राघवकीर्ति

सच के साथ, तेजी से बढ़ता, निष्पक्ष दैनिक समाचार पत्र

न्यूनतम दर पर
निविदा/विज्ञप्ति/ज़ाहिर सूचना
जन्मदिन/वैवाहिक वर्षगांठ बधाई संदेश
प्रकाशनार्थ आमंत्रित
शोक संदेश/उठावना सूचना निःशुल्क
दैनिक राघवकीर्ति
तेजी से बढ़ता आपका अपना अख़बार
Er. चैतन्य कुमार
प्रबंध संपादक (विज्ञापन विभाग)
8602110000

वर्ष : 19, अंक : 025 | इंदौर मंगलवार, दिनांक 10 मार्च 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

टीकाकरण अभियान

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने जबलपुर के गीता भवन में फिट इंडिया वुमन्स वीक-2026 अंतर्गत राष्ट्रीय HPV टीकाकरण अभियान में दृष्टि बाधित बालिकाओं से मुलाकात की।

जंग का आर्थिक प्रहार

कच्चे तेल में आग, बाजार धड़ाम व सोना-चांदी में उथल-पुथल

नई दिल्ली/एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े युद्ध और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने भारत समेत दुनियाभर के वित्तीय बाजारों को बुरी तरह झकझोर दिया है और अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। सोमवार को वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के कारण भारतीय इक्विटी और मुद्रा (करेंसी) बाजार में चौतरफा बिकवाली दिखी। इस संकट ने निवेशकों को करीब 12 लाख करोड़ रुपये का चूना लगा दिया। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, भारत इस समय एक तिहरे प्रहार- महंगा कच्चा तेल, गिरते रुपये और शेयर बाजार में गिरावट का सामना कर रहा है। वहीं, सोने-चांदी की कीमतों में भी लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

पश्चिम एशिया में ईरान-इस्राइल-अमेरिका युद्ध के कारण कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने का भारी डर पैदा हो गया है। इस दहशत के कारण सोमवार को सेंसेक्स 2,400 अंकों का गोता लगा गया, जबकि निफ्टी करीब 3% टूटकर 24,028.05 के स्तर पर आ गया। भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) तेजी से अपना पैसा निकालकर सुरक्षित विकल्पों (जैसे डॉलर) का रुख कर रहे हैं। इससे बाजार में बिकवाली की सुनामी आ गई है। हालांकि, बाजार बंद होते समय सेंसेक्स और निफ्टी अपने निचले स्तरों से संभलकर बंद हुए।

भारत अपनी जरूरत का 89त्न से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है। युद्ध शुरू होने के बाद से ब्रेंट क्रूड 50% से अधिक उछलकर 117 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य है, जहां से हमारा रोजाना 26 लाख बैरल तेल गुजरता है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने चेतावनी दी है कि अगर खाड़ी देशों के ऊर्जा निर्यात पर असर पड़ा, तो तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं।

वित्त मंत्री का दावा- भारत में महंगाई पर नहीं होगा असर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में हाल ही में आई तेजी के बावजूद सरकार को मुद्रास्फीति में तीव्र वृद्धि की उम्मीद नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक के सहनशीलता बैंड के निचले स्तर के करीब बनी हुई है। संसद में लिखित जवाब में सीतारमण ने कहा कि मुद्रास्फीति की वर्तमान स्थिति नीति निर्माताओं को बाहरी मूल्य झटकों से कुछ हद तक बचाव प्रदान करती है। सीतारामन ने कहा कि चूंकि भारत में मुद्रास्फीति निचले स्तर के करीब है, इसलिए फिलहाल मुद्रास्फीति पर इसका कोई खास असर पड़ने का अनुमान नहीं है। ईरान द्वारा सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में मोजतबा खामेनेई को नामित करने के बाद वैश्विक तेल की कीमतों में शुरुआती कारोबार में लगभग 26त्न की तेजी आई और ये जुलाई 2022 के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं।

एलपीजी सिलेंडर बुकिंग का बदला नियम, अब 25 दिन से पहले नहीं मिलेगी दूसरी रिफिल

मिडिल ईस्ट संकट के बीच सिलेंडर की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए सरकार ने एलपीजी बुकिंग का नियम सख्त कर दिया है। अब एक रिफिल के बाद दूसरा सिलेंडर 25 दिन के अंतर पर ही बुक होगा। साथ ही, रिफाइनरियों को उत्पादन बढ़ाने और कमर्शियल के बजाय घरेलू सप्लाई को प्राथमिकता देने का आदेश दिया गया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, यह देखा गया कि जो लोग पहले 55 दिनों में सिलेंडर बुक करते थे, वे डर के मारे अब 15-15 दिनों में ही बुकिंग करने लगे हैं। इस अफरा-तफरी और स्टॉक दबाने की आदत को रोकने के लिए बुकिंग का अंतर 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। यानी अब आप एक सिलेंडर लेने के बाद 25 दिन से पहले दूसरी बुकिंग नहीं कर पाएंगे। बढ़ते कच्चे तेल के दामों के बीच राहत की खबर यह है कि भारत के पास पर्याप्त स्टॉक है। जब तक कच्चा तेल .130 प्रति बैरल के पार नहीं जाता, तब तक पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने की उम्मीद कम है। सरकार को भरोसा है कि तेल .100 के आसपास रहेगा। भारत अब हॉर्मुज की खाड़ी के अलावा दूसरे रास्तों से भी कच्चा तेल मंगवाने की प्रक्रिया तेज कर रहा है।

■ महत्वपूर्ण खबरें

राम मंदिर समारोह में क्यूआर कोड से लैस होगा आमंत्रण पत्र, राष्ट्रपति होंगी मुख्य अतिथि

अयोध्या/एजेंसी। मंदिर प्रशासन के अनुसार आमंत्रण पत्र पर अंकित क्यूआर कोड को स्कैन करने के बाद ही अतिथियों को मंदिर परिसर में प्रवेश की अनुमति मिलेगी। इससे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और आमंत्रित अतिथियों की पहचान भी आसानी से हो सकेगी। बताया गया है कि कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी मेहमानों को सुबह 10 बजे तक मंदिर परिसर में प्रवेश करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय के बाद आने वाले मेहमानों को सुरक्षा कारणों से प्रवेश नहीं दिया जाएगा। 19 मार्च को होने वाले इस विशेष समारोह में देश भर से संत-महंत, विशिष्ट अतिथि और कई गणमान्य लोग शामिल होंगे। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा, पार्किंग, प्रवेश व्यवस्था और अतिथियों के स्वागत की तैयारियां तेजी से चल रही हैं, ताकि समारोह सुचारु और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके।

बंगाल एसआईआर से नाम हटने के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे लोग, तत्काल सुनवाई की मांग

नई दिल्ली/एजेंसी। पश्चिम बंगाल में स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन प्रक्रिया के दौरान वोटर लिस्ट से हटाए गए नामों के मामले में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। इन लोगों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए सहमति जताई है। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को उनकी याचिका पर सुनवाई करेगा। सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की बेंच के सामने मामला रखते हुए तत्काल सुनवाई की मांग की, जिस पर कोर्ट ने कल की तारीख दे दी।

ब्रेकिंग न्यूज

मध्यप्रदेश में जूनियर डॉक्टरों की प्रस्तावित हड़ताल 16 मार्च तक स्थगित। मुख्यमंत्री से हुई चर्चा के बाद लिया फैसला।

मोजतबा खामेनेई के हाथ आई ईरान की कमान

विदेशों में अरबों की संपत्ति के मालिक ने जीता सत्ता का खेल

तेहरान/एजेंसी। ईरान की राजनीति में बड़ा और विवादास्पद मोड़ आ गया है। देश की शक्तिशाली धर्मगुरु परिषद विशेषज्ञ सभा ने आधिकारिक घोषणा करते हुए 56 वर्षीय मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता घोषित कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब उनके पिता अली खामेनेई की हाल ही में अमेरिका और इजरायल के संयुक्त सैन्य अभियान में मौत हो गई थी। इस घटनाक्रम ने पहले ही पूरे पश्चिम एशिया

को संकट में डाल दिया था और अब मोजतबा खामेनेई के सत्ता में आने से क्षेत्रीय तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

हम आपको बता दें कि ईरान में सर्वोच्च नेता का पद देश की सबसे शक्तिशाली संवैधानिक और धार्मिक सत्ता माना जाता है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से यह पद ईरान की राजनीतिक व्यवस्था का केंद्र रहा है। सर्वोच्च नेता न केवल राज्य का सर्वोच्च मार्गदर्शक होता है बल्कि सेना और सुरक्षा तंत्र पर भी उसका सीधा नियंत्रण होता है।

सुनवाई होने तक आरोपमुक्त नहीं होंगे केजरीवाल-सिसोदिया : हाईकोर्ट ने कहा

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति मामले में सीबीआई की याचिका पर केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को नोटिस जारी किया। सीबीआई ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को बरी करने का निचली अदालत का आदेश अनुचित है। सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि उत्पाद शुल्क नीति का मामला सबसे बड़े घोटालों में से एक है और भ्रष्टाचार का स्पष्ट उदाहरण है। मेहता ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य को बिना सुनवाई के ही बरी कर दिया। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने शराब नीति में हेरफेर के लिए साजिश और रिश्वतखोरी को दर्शाने वाले पुख्ता सबूत जुटाए हैं।

भारत संवाद और कूटनीति का आग्रह करता है

ईरान युद्ध पर राज्यसभा में बोले विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली/एजेंसी। भारत के बजट सत्र 2026 का दूसरा चरण सोमवार (9 मार्च) को एक तनावपूर्ण माहौल में शुरू हो रहा है, क्योंकि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर एक महत्वपूर्ण बयान दे रहे हैं। यह क्षेत्रीय संघर्ष के बढ़ते प्रकोप की पृष्ठभूमि में हो रहा है, जिसकी शुरुआत 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या से हुई थी, जिसके बाद तेहरान ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी ठिकानों और इजरायली लक्ष्यों पर जवाबी हमले किए। विपक्षी सांसदों ने केंद्र की विदेश नीति और इस उथल-पुथल पर भारत की प्रतिक्रिया को लेकर विस्तृत बहस की मांग की है। इस बीच, सत्र

के एजेंडे में कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम शामिल हैं, जिनमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाला प्रस्ताव भी शामिल है, जिसे 118 हस्ताक्षरकर्ताओं का समर्थन प्राप्त है। इसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर बोलने का समय न दिए जाने के बाद उनके पक्षपातपूर्ण आचरण का आरोप लगाया गया है। सांसदों मोहम्मद जावेद, के सुरेश और मल्लु रवि द्वारा पेश किए जाने वाले इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए सदन की मंजूरी की आवश्यकता है, और यदि इसे स्वीकार कर लिया जाता है तो संभवतः बिरला को अपनी कुर्सी खाली करके सदस्यों के बीच बैठना पड़ेगा। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ईरान युद्ध और पश्चिम एशिया में व्याप्त संकट की स्थिति पर संवाद और कूटनीति का आग्रह किया। राज्यसभा में विदेश मंत्री एस जयशंकर ईरान जंग को लेकर भारत के स्टैंड पर बयान दे रहे हैं।

शीतलाष्टक सुनें- और लाभ लें
https://youtu.be/XyhLWam7864?si=FxqKGGdyY9QcNydp

दिल्ली में डीटीसी बस हुई बेकाबू, कई लोगों को कुचला

गुस्साई भीड़ ने वाहन में लगाई आग

नई दिल्ली/एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के निहाल विहार में दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की एक बस के कई वाहनों से टकराने के बाद दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। इस दुर्घटना के बाद इलाके में आक्रोशित लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और घटनास्थल पर जमा हो गए। प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने दुर्घटनाग्रस्त बस को क्षतिग्रस्त कर दिया और एक अन्य डीटीसी बस में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि बस चालक को हिरासत में ले लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 9.45 बजे घटना की सूचना मिली। फोन करने वाले ने बताया कि नजफगढ़ की ओर से आ रही एक

तेज रफ्तार डीटीसी बस ने नजफगढ़-नांगलोई रोड पर कई लोगों को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, बस ने एक स्कूटर, एक मोटरसाइकिल, एक हाथ रिक्शा और कई पैदल यात्रियों को टक्कर मारी।

॥ जय गणेश ॥

आज का पंचांग

10 मार्च 2026 मंगलवार, विक्रम संवत् 2082
चैत्र कृष्ण पक्ष सप्तमी

सूर्योदय : प्रातः 6.37 बजे (उज्जैन)
सूर्यास्त : सायं 6.26 बजे
नक्षत्र : अनुराधा
योग : हर्शण
करण : विष्टि
चन्द्रमा : वृश्चिक
पर्व : मंगलवार व्रत, शीतला सप्तमी
दिशाशूल : उत्तर
राहुकाल : दोपहर 03.29 बजे से दोपहर 04.57 बजे तक

आज दान योग्य : किसी जरूरतमंद वृद्ध को वस्त्र, भोजन और फल दान करें।
विशेष - शीतला माता का पूजन करें। ठंडा भोजन लें। मंगल होगा।

आचार्य राघवकीर्ति गणेश
(ज्योतिष-वास्तुविद् एवं पुराण प्रवक्ता)
प्रमुख - महागणपति आध्यात्मिक मिशन
राष्ट्रीय संयोजक - भगवन्नाम संकीर्तन मंडल (भस्म)
राष्ट्रीय अध्यक्ष - गण सेना (फाउण्डेशन)
आध्यात्मिक जनजागरण एवं प्राणी मात्र के हित संरक्षण, संवर्द्धन हेतु संकल्पित
9755910000,
www.jyotishvastu.com
हमारा एक परामर्श-संवारेगा आपका भविष्य

हर पल, हर तरफ चौकस निगाहें - ताज़ातरीन खबरें
दैनिक राघवकीर्ति
www.raghavkirti.news

लोकसभा अध्यक्ष बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा आज

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा शुरू करेंगे। विपक्ष ने ओम बिरला पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया है। 118 विपक्षी सांसदों ने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर बोलने नहीं दिए जाने के बाद अध्यक्ष के पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया गया है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर, निशिकांत दुबे, रवि शंकर प्रसाद और भर्तृहरि महताब इस विषय पर अपनी बात रखेंगे। सूत्रों के अनुसार, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के चिराग पासवान भी सत्र को संबोधित करेंगे।

इससे पहले दिन में, किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए चेतावनी दी कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर उन्हें पछतावा होगा। पत्रकारों को संबोधित करते हुए रिजिजू ने स्पीकर का बचाव करते हुए कहा कि यह प्रस्ताव बिना किसी कारण के और केवल एक व्यक्ति की हठधर्मिता को संतुष्ट करने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सदन में इसका करारा जवाब देने के लिए तैयार है और प्रस्ताव की हार की भविष्यवाणी की। उन्होंने कहा कि संसद के बजट सत्र का दूसरा भाग आज से शुरू होने वाला है। दुख की बात है कि इसकी शुरुआत लोकसभा स्पीकर के खिलाफ विपक्ष, विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी द्वारा उन्हें हटाने के लिए लाए गए प्रस्ताव से हो रही है। हम इसका जवाब देंगे, लेकिन कांग्रेस को यह सोचना चाहिए कि संवैधानिक पदों और संवैधानिक गरिमा को कमजोर करने के लिए वे कितनी हद तक जा सकते हैं।

राज्यसभा में विपक्ष पर भड़के जेपी नड्डा, बोले- बहस नहीं, सिर्फ अराजकता फैलाने में रुचि

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को पश्चिम एशिया संघर्ष पर विदेश मंत्री एस जयशंकर के संबोधन के दौरान विपक्ष द्वारा की गई नारेबाजी की निंदा करते हुए कहा कि विपक्ष को बहस करने में नहीं बल्कि केवल अराजकता फैलाने में दिलचस्पी है। विपक्ष पर अपने फायदे के लिए राजनीति करने का आरोप लगाते हुए नड्डा ने कहा कि वे इसमें कभी सफल नहीं होंगे। राज्यसभा में नड्डा ने कहा कि अत्यंत दुख के साथ मैं कह रहा हूं कि विपक्ष का व्यवहार बेहद गैरजिम्मेदाराना और निंदनीय है। उन्हें न तो देश में कोई रुचि है और न ही बहस में, बल्कि उन्हें केवल अराजकता फैलाने में रुचि है।

नड्डा ने आगे कहा कि उन्हें विकसित भारत, देश की प्रगति में कोई रुचि नहीं है, उनकी रुचि केवल अपने फायदे की राजनीति में है, जिसमें वे

कभी सफल नहीं होंगे। जयशंकर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री उभरते घटनाक्रमों पर लगातार नजर रख रहे हैं और संबंधित मंत्रालय प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए समन्वय कर रहे हैं। यह घटनाक्रम 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध के मद्देनजर सामने आया है, जिसमें ईरान को निशाना बनाया गया था। इन हमलों में पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और सत्तारूढ़ दल के कई प्रमुख सदस्यों की मौत हो गई थी। इसके बाद से स्थिति और बिगड़ गई है, सप्ताहांत में तेल भंडारों और जल विलवणीकरण संयंत्रों पर नए हमले हुए हैं।

जयशंकर ने कहा कि सरकार ने क्षेत्रीय अस्थिरता को लेकर पहले ही अपनी आशंकाएं व्यक्त कर दी थीं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 20 फरवरी को एक बयान जारी कर गहरी चिंता व्यक्त की थी और सभी पक्षों से संयम बरतने का आग्रह किया था। हमारा मानना है कि तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति का सहारा लेना चाहिए। संघर्ष की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने पुष्टि की कि भारत ने 28 फरवरी, 2026 को आधिकारिक तौर पर युद्ध पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने क्षेत्रों में तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति के आह्वान को दोहराया, साथ ही बढ़ते हताहतों और ईरानी नेतृत्व के पतन की ओर ध्यान आकर्षित किया।

मंत्री राममोहन नायडू का बड़ा बयान, तेजी से चल रही जांच, जल्द आएगी अंतिम रिपोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा है कि लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट के दुखद हादसे की विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा की जा रही जांच बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है और रिपोर्ट घटना के एक साल के भीतर आ जानी चाहिए। यह हादसा पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे से विमान के उड़ान भरने के तुरंत बाद हुआ था। नायडू ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सवालों के जवाब देते हुए कहा कि जांच बहुत तेजी से चल रही है और मंत्रालय एएआईबी को सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा रहा है। रिपोर्ट साल के अंत तक आ जानी चाहिए। मंत्री शिवसेना सदस्य मिलिंद देवरा के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। जमीन पर 19 लोग मारे गए। एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए नायडू ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच पिछले सप्ताह खाड़ी क्षेत्र से लगभग 90,000 लोग यात्रा करने में सक्षम रहे हैं।

सम्पादकीय

बालेन शाह से नेपाल को ढेर सारी उम्मीदें

नेपाल का चुनाव परिणाम दुनिया के उन तमाम देशों के शासकों को एक सबक है, जो राष्ट्र को अपनी जागीर समझ कर शासन चलाने की भूल कर रहे हैं। भारत के पड़ोसी इस नन्हें राष्ट्र का चुनाव परिणाम युवा शक्ति के बदलाव की दृढ़ इच्छाशक्ति का नतीजा है, जहां उनमें पलायन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के बच्चों तक ही सीमित सुख और अय्याशी पूर्ण जीवनशैली के खिलाफ आग धधक रही थी, जिसकी लपटों में नेपाल की एक से एक पुरानी पार्टियां जलकर राख हो गईं। नेपाल से कम्युनिस्ट पार्टियों का खात्मा भारत के लिए अच्छा संकेत माना जा रहा है।

सत्ता में आ रही राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को शहरी प्रभाव वाली पार्टी कहकर इसके सीमित क्षेत्रों तक सिमटने और 4 बार के प्रधानमंत्री ओली को धूल चटाते हुए ऐतिहासिक मतों के अंतर से जीते काठमांडू के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री का चेहरा रहे बालेन शाह को कड़े मुकाबले में फंसना बताया जा रहा था। राजनीतिक विश्लेषकों के सारे के सारे अनुमान धरे के धरे रह गए। चुनाव नतीजों में हर क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को मिल रही शानदार बढ़त से यह साफ हो गया है कि राजशाही खत्म होने के बाद नेपाल को पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार नसीब होने जा रही है। पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने ने बालेन शाह को पार्टी में शामिल होते ही प्रधानमंत्री का चेहरा घोषित कर दिया था। रवि लामी नई सरकार में गृहमंत्री होंगे, यह भी तय है। सरकार गठन के पूर्व उन्होंने राजनीतिक दलों से 40 साल का हिसाब लेने का बयान देकर पुराने राजनीतिक दलों में खलबली मचा दी है। उनका यह बयान भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुली जंग के ऐलान के रूप में देखा जा रहा है।

ओली सरकार में बहुत कम दिनों तक गृहमंत्री रहे रवि लामी छाने की छवि एक सख्त गृहमंत्री की उभर कर जनता के सामने आई थी। उन्होंने एक से एक राजनीतिक भ्रष्टाचार को उजागर कर जनता में अपनी छवि ईमानदार नेता की बना ली थी। अमरीकी पृष्ठभूमि के रवि लामी छाने का रुख भारत के प्रति कैसा होता है यह देखना दिलचस्प होगा। हालांकि पार्टी के वरिष्ठ नेता अमरेश सिंह ने चुनाव परिणाम में पार्टी की बढ़त के बीच काठमांडू में मीडिया के सवालों के जवाब में साफ कहा कि भारत से मधुर संबंध को लेकर कोई कन्फ्यूजन नहीं है। उसे साथ लेकर नेपाल को आगे बढ़ाएंगे। लेकिन बालेन शाह हैं तो चीन के खिलाफ लेकिन भारत के प्रति उनके रुख को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है क्योंकि बतौर मेयर उनका अपने कक्ष में ग्रेटर नेपाल का लगाया मानचित्र भारत को खटकता रहा, क्योंकि इस नक्शे में भारत के कई इलाकों को नेपाली भू-क्षेत्र दर्शाया गया है। खैर अब वह एक ऐसे राष्ट्र के प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं, जिसका संबंध भारत से केवल खानापूर्ति जैसा नहीं, दोनों के बीच रोटी-बेटी का सदियों पुराना रिश्ता तो है ही, दोनों देश भौगोलिक, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक सभ्यता की दृष्टिकोण से भी एक-दूसरे से जुड़े हैं।

बालेन शाह से नेपाल के युवाओं और महिलाओं को काफी उम्मीदें हैं। वे जेन जी आंदोलन का प्रमुख चेहरा थे। आज उनकी इस बात को लेकर तारीफ हो रही है कि जो शख्स नेपाल की दुश्वारियों को भांप कर सरकार अपदस्थ करने का माद्दा रखता हो, उसके द्वारा सरकार चलाने में किसी संशय की गुंजाइश नहीं है। बालेन शाह सरकार के कामकाज के तरीकों पर दुनिया की नजर रहना स्वाभाविक है। इस पार्टी के दो प्रमुख चेहरे बालेन शाह और रवि लामी छाने की कोई लंबी राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है। बालेन शाह इंजीनियर और रैपर रहे हैं जबकि रवि लामी छाने की पहचान एक पत्रकार की रही है। 2022 के चुनाव में उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का गठन किया, चुनाव लड़े और 20 सीटों पर धमाकेदार जीत दर्ज की। बालेन शाह काठमांडू के युवाओं में खासा लोकप्रिय थे, निर्दलीय चुनाव लड़े और काठमांडू का मेयर बन गए। एक मेयर से नेपाल का प्रधानमंत्री बनने जा रहे बालेन शाह का जन्म एक साधारण शिक्षक परिवार में हुआ था। पढ़ाई इस स्तर की थी कि वह 2-4 लाख रुपए महीने की नौकरी कर अच्छा जीवन बिता सकते थे लेकिन उन्हें सनक थी संपूर्ण नेपाल की जीवनशैली सुधारने की। नेपाली जनता ने उन्हें यह मौका दे दिया है। अब नेपाल को तरक्की की ओर ले जाने की जिम्मेदारी उनकी है।

10 मार्च : इतिहास के पन्नों में

- 1847 हवाई में पहले सिक्के के ढलाई की गई थी।
- 1849 अब्राहम लिंकन अमेरिका के पहले राष्ट्रपति बने थे।
- 1862 ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस ने ज़ांजीबार की आजादी को मान्यता दी।
- 1876 ग्राहम बेल ने पहली बार टेलीफोन पर अपने मित्र से बात की।
- 1897 भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक सावित्रीबाई फुले का निधन।
- 1922 चीन द्वारा परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- 1934 भारत के जाने-माने समाज सुधारक लल्लन प्रसाद व्यास का जन्म।
- 1945 कांग्रेस के नेता माधवराव सिंधिया का जन्म।
- 1970 जम्मू और कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला का जन्म।
- 2003 उत्तर कोरिया ने क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया था।
- 2007 यूक्रेन के वैसीली इवांनचूक को हराकर विश्वनाथन आनंद शतरंज में प्रथम स्थान पर पहुंचे।
- 2010 भारतीय संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित हुआ था।

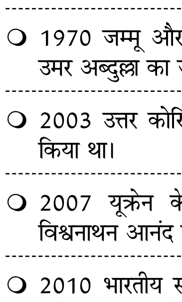

डॉ. प्रेमप्रकाश बोराना
संकलनकर्ता
इतिहासविद्, महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उमावि सराफा, उज्जैन

दैनिक राघवकीर्ति

निरंतर अस्थिर दुनिया में बड़ी हो रही आज की पीढ़ी

हर पीढ़ी अपनी चुनौतियों का सामना करती है। हमारे दादा-दादी ने युद्ध और अभाव देखे, हमारे माता-पिता ने आर्थिक संघर्ष और राजनीतिक परिवर्तन। लेकिन आज की युवा पीढ़ी एक ऐसी दुनिया में बड़ी हो रही है, जो लगातार अस्थिर महसूस होती है। युद्धों, संघर्षों, आर्थिक मंदी, राजनीतिक तनाव और अचानक आने वाले वैश्विक संकटों की खबरें मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से तुरंत पहुंच जाती हैं। छात्रों के लिए, विशेष रूप से उनके लिए, जो विदेश में पढने़ की योजना बना रहे हैं या पहले से ही विदेशों में पढ़ रहे हैं, इस अनिश्चितता ने उनके जीवन को उन तरीकों से आकार देना शुरू कर दिया है, जिनका सामना पिछली पीढिय़ों ने नहीं किया था। आज की दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई महसूस होती है। हजारों मील दूर होने वाला संघर्ष ईंधन की कीमतों, नौकरी के बाजारों, वीजा नीतियों और यहां तक कि विश्वविद्यालय परिसरों के माहौल को भी प्रभावित कर सकता है। उन युवा छात्रों के लिए, जो अभी अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू कर रहे हैं, यह वातावरण गहरी अनिश्चितता पैदा कर सकता है।

विदेश में पढने़ वाले छात्रों के लिए पहली चुनौती भावनात्मक है। घर छोडऩा कभी आसान नहीं होता। अमरीका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा या ऑस्ट्रेलिया जैसे स्थानों की यात्रा करने वाला एक युवा छात्र पहले से ही घर की याद, सांस्कृतिक तालमेल और शैक्षणिक दबाव का सामना करता है। जब वैश्विक तनाव बढ़ता है, तो ये भावनात्मक तनाव और बढ़ जाते हैं। संघर्षों, वीजा प्रतिबंधों या देशों के बीच कूटनीतिक तनाव की खबरें न केवल छात्रों के लिए, बल्कि घर पर उनके परिवारों के लिए भी चिंता पैदा कर सकती हैं। विदेशों में होने वाली छोटी-सी घटना भी तब घबराहट पैदा कर सकती है जब वह टैलीविजन स्क्रीन और सोशल मीडिया पर दिखाई देती है। एक युवा छात्र के लिए, जो पहले से ही असाइनमैंट, परीक्षा और अंशकालिक काम के साथ संघर्ष कर रहा है, यह अतिरिक्त भावनात्मक दबाव एकाग्रता और आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकता है।

एक और चुनौती आर्थिक अनिश्चितता है। विदेश में पढ़ाई महंगी है। परिवार अक्सर अपने बच्चों को विदेशी विश्वविद्यालयों में भेजने के लिए अपनी जीवन भर की बचत खर्च कर देते हैं या बड़ा कर्ज लेते हैं। जब वैश्विक तनाव अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करते हैं, तो मुद्राओं में उतार-चढ़ाव होता है और जीवनयापन की लागत बढ़ जाती है। किराए, भोजन की कीमतों या ट्यूशन फीस में अचानक वृद्धि छात्रों के लिए गंभीर तनाव पैदा कर सकती है। स्नातक होने के बाद भविष्य में नौकरी के अवसरों के बारे में अनिश्चितता भी एक बड़ी चिंता बन जाती है। उदाहरण के लिए, कोविड-19 महामारी के बाद, कई अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने नौकरी के बाजारों को रातों-रात सिकुड़ते देखा। इंटर्नशिप गायब हो गई, कंपनियों ने नियुक्तियां रोक दीं, और यात्रा प्रतिबंधों ने छात्रों के लिए घर लौटना या देशों के बीच आवाजाही करना मुश्किल बना दिया।

देशों के बीच राजनीतिक तनाव भी छात्रों को सूक्ष्म तरीकों से प्रभावित कर सकता है। जब राष्ट्रों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो जाते हैं, तो वीजा नियम कड़े हो सकते हैं, वर्क परमिट बदल सकते हैं और अप्रवासन नीतियां अनिश्चित हो सकती हैं।

यहां तक कि भारत में पढ़ रहे छात्र भी वैश्विक अस्थिरता से अछूते नहीं हैं। आज के छात्र इंस्टाग्राम, यूट्यूब और 'एक्स' जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय समाचारों का बारीकी से अध्ययन करते हैं। हालांकि जानकारी तक यह पहुंच शक्तिशाली है लेकिन यह युवा दिमागों को डरावनी सुर्खियों की निरंतर धारा के संपर्क में भी लाती है। परीक्षा की तैयारी करने वाले या करियर की योजना बनाने वाले छात्र के लिए अनिश्चितता का यह माहौल विचलित करने वाला हो सकता है। एक और प्रभाव अनिश्चित समय में प्रतिस्पर्धा का मनोवैज्ञानिक दबाव है।

जब भविष्य अप्रत्याशित लगता है, तो छात्र अक्सर महसूस करते हैं कि उन्हें अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए और भी कड़ी मेहनत करनी होगी। इससे पढ़ाई के घंटे लंबे हो जाते हैं, कोचिंग क्लास बढ़ जाती हैं और सफल होने का दबाव ज्यादा हो जाता है। उन्हें परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करना होता है, शीर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेना होता है, अंतर्राष्ट्रीय करियर बनाना होता है और वैश्विक परिवर्तनों के अनुकूल होना होता है-सब एक ही समय में। इन अपेक्षाओं का बोझ कभी-कभी भारी महसूस हो सकता है।

फिर भी, यह कहना अनुचित होगा कि युवा पीढ़ी कमजोर है या मुकाबला करने में असमर्थ है। वास्तव में, आज की युवा पीढ़ी इतिहास की सबसे अनुकूलनशील पीढिय़ों में से एक हो सकती है। वे तकनीक का उपयोग करते हुए, सीमाओं के पार संवाद करते हुए और नए कौशल जल्दी सीखते हुए बड़े हुए हैं। इसी तरह, विदेश में पढने़ वाले युवा अक्सर मजबूत स्वतंत्रता विकसित करते हैं। वे वित्त प्रबंधन करना, सांस्कृतिक मतभेदों को संभालना और समस्याओं को अपने आप हल करना सीखते हैं। ये अनुभव, हालांकि कभी-कभी तनावपूर्ण होते हैं, लचीलापन और आत्मविश्वास भी पैदा करते हैं। इसलिए, जिम्मेदारी केवल छात्रों की ही नहीं, बल्कि परिवारों, शिक्षकों और सरकारों की भी है। माता-पिता भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि उनके लिए अपने बच्चों की चिंता करना स्वाभाविक है लेकिन निरंतर चिंता कभी.-कभी छात्र के तनाव को बढ़ा सकती है। प्रोत्साहन, विश्वास और भावनात्मक समर्थन युवाओं को अपने आसपास की अनिश्चित दुनिया के बावजूद अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकते हैं। कई मायनों में, आज के छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियां उन्हें भविष्य के लिए बेहतर तरीके से तैयार भी कर सकती हैं। एक जटिल, परस्पर जुड़ी दुनिया में बड़ा होना अनुकूलन क्षमता, वैश्विक जागरूकता और लचीलापन सिखाता है।

शीतलाष्टक सुनें- और लाभ लें
https://youtu.be/XyhLWam7864?si=FxqKGGdyY9QcNydp

कनाडा के साथ यूरेनियम डील भारत के लिए कैसे मददगार होगी?

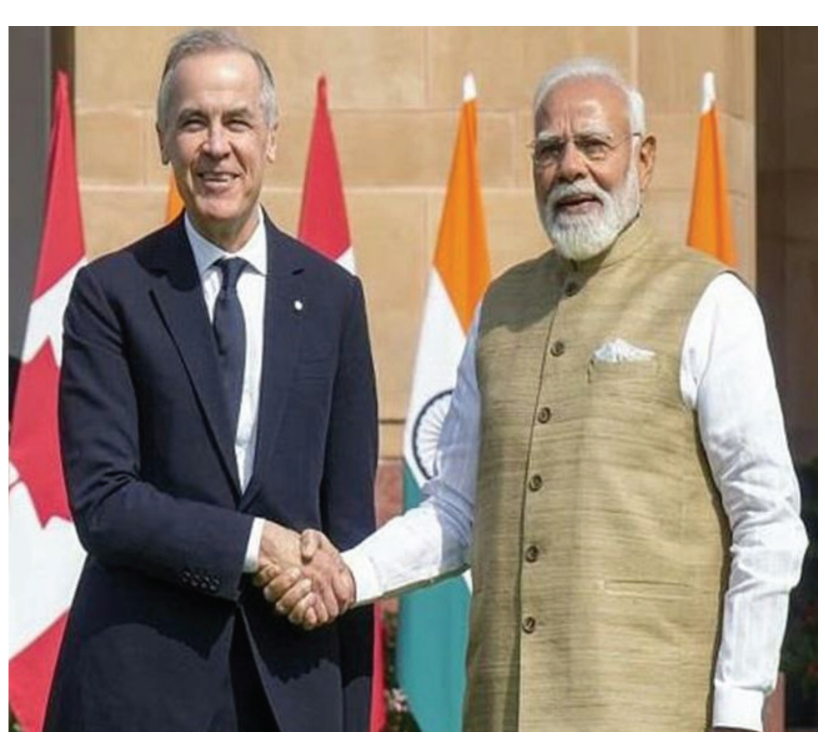

अब तक की कहानी – ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में प्रयासरत भारत ने 2 मार्च को कनाडा की कंपनी कैमेको के साथ 2.6 अरब कनाडियन डॉलर का समझौता किया। इस समझौते के तहत भारत को 2027 से 2035 के बीच लगभग 10,000 टन यूरेनियम की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

भारत के पास यूरेनियम का कितना भंडार – भारत में यूरेनियम के घरेलू और आयातित भंडार दोनों मौजूद हैं। घरेलू भंडार में 4.2-4.3 लाख टन अयस्क है, जो झारखंड के जादुगुडा और तुरमडीह तथा आंध्र प्रदेश के तुम्मलपल्ले की प्रमुख खानों में फैला हुआ है। इस अयस्क से निकाले जा सकने वाले यूरेनियम की मात्रा 76,000-92,000 टन होने का अनुमान है।

अयस्क और धातु के बीच परिमाण का अंतर इसलिए है क्योंकि भारतीय अयस्क 'निम्न श्रेणी' का है (0.02-0.45 प्रतिशत सांद्रता), जबकि कनाडा में उच्च श्रेणी का अयस्क पाया जाता है (भारतीय अयस्क से 10-100 गुना अधिक समृद्ध)। मात्रा के हिसाब से कैमेको विश्व के 3 सबसे बड़े यूरेनियम उत्पादकों में से एक है। यूरेनियम अयस्क का आयात करना इसे निकालने की तुलना में सस्ता है लेकिन इसका उपयोग कानूनी तौर पर परमाणु हथियारों में नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि भारत घरेलू स्तर पर भी अयस्क का खनन करता है।

क्या इस सौदे में 2010 का समझौता शामिल है - कैमेको के साथ यह समझौता भारत-कनाडा नागरिक परमाणु सहयोग समझौते (एन.सी.ए.) के अंतर्गत आता है। इस पर 2010 में हस्ताक्षर किए गए थे, परमाणु आपूर्तिकर्त्ता समूह द्वारा भारत को 'क्लीन' छूट जारी करने के 2 साल बाद, जो बदले में भारत और अमरीका के बीच 123वें परमाणु समझौते के कारण संभव हुई थी। दूसरी ओर, एन.सी.ए. की इस बात के लिए भी आलोचना की गई है कि वह भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम को परोक्ष रूप से समर्थन दे रहा है, भारत नागरिक उपयोग के लिए जितना अधिक यूरेनियम आयात करता है, उतना ही अधिक घरेलू यूरेनियम वह सैन्य उपयोग के लिए सुनिश्चित कर सकता है।

भारत अपने यूरेनियम का उपयोग कैसे करता है – भारत में वर्तमान में लगभग 9 गीगावाट की उत्पादन क्षमता वाले 24 परमाणु रिएक्टर कार्यरत हैं। 700 मैगावाट क्षमता वाले प्रैशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर (पी.एच.डब्ल्यू.आर.) वर्तमान में भारत की कुल बिजली का 6.7 गीगावाट, यानी लगभग 3 प्रतिशत उत्पादन करते हैं और इनमें ईंधन के रूप में यूरेनियम का उपयोग होता है। सरकार 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 गीगावाट तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विरोध प्रदर्शनों के कारण इस योगदान को बढ़ाने के पिछले प्रयास बाधित हुए हैं।

ट्रॉम्बे में स्थित 'ध्रुवा' जैसे अनुसंधान रिएक्टरों में भी यूरेनियम की महत्वपूर्ण मात्रा का उपयोग टैक्नीशियम-99एम और आयोडीन-131 जैसे चिकित्सा समस्थानिकों के उत्पादन और उन्नत सामग्री विज्ञान अनुसंधान के लिए किया जाता है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई पीढ़ी के छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपए आबंटित किए, जो आमतौर पर 3.5 प्रतिशत समृद्ध यूरेनियम का उपयोग करते हैं। घरेलू यूरेनियम का उपयोग परमाणु युद्धक हथियारों (जिनकी संख्या वर्तमान में लगभग 170 होने का अनुमान है) और परमाणु ऊर्जा से चलने वाली आई.एन.एस. अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बियों के लिए भी किया जाता है।

भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम कैसा चल रहा है – भारत वर्तमान में तीन चरणों वाले कार्यक्रम के पहले चरण से दूसरे चरण में प्रवेश कर रहा है। पहले चरण में, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पी.एच.आर.) बिजली उत्पादन के लिए प्राकृतिक यूरेनियम-235 का उपयोग करेंगे और प्लूटोनियम-239 उप-उत्पाद के रूप में प्राप्त होगा। दूसरे चरण में, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर बिजली उत्पादन, यूरेनियम-233 और अतिरिक्त प्लूटोनियम-239 के मिश्रित ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करेंगे। (इन रिएक्टरों को फास्ट ब्रीडर रिएक्टर इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये खपत से अधिक ईंधन का उत्पादन करते हैं।) कलपक्कम में स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पी.एफ.बी.आर.) वर्तमान में चालू होने के उन्नत चरण में है।

अंततः, उन्नत भारी जल रिएक्टर ईंधन के रूप में प्लूटोनियम-239 और थोरियम-232 का उपयोग करेंगे, जिससे बिजली और यूरेनियम-233 का उत्पादन होगा। होमी जे. भाभा ने इस तीन-चरणीय कार्यक्रम की परिकल्पना इस तथ्य का लाभ उठाने के लिए की थी कि भारत में विश्व के थोरियम भंडार का 20-25 प्रतिशत हिस्सा मौजूद है। हालांकि, इस कार्यक्रम में कई बार देरी हुई और लागत में भी भारी वृद्धि हुई है।

डी.ए.ई. के पूर्व अध्यक्ष अनिल काकोडकर ने बताया है कि एक फास्ट ब्रीडर रिएक्टर द्वारा दूसरे रिएक्टर को शुरू करने के लिए पर्याप्त ईंधन उत्पादन करने में लगने वाला समय (डबलिंग टाइम) वर्तमान में 15-20 वर्ष है। इस प्रकार, 100 गीगावाट बिजली उत्पादन के लिए भारत को कई डबलिंग चक्रों से गुजरना होगा, जो यूरेनियम की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे कई समझौतों का कारण हो सकता है।

आज का मन्त्र
शीतला स्तोत्र सुनें, पढ़ें
श्रद्धालु यथाशक्ति जप करें एवं लाभ प्राप्त करें।
विशेष परामर्श के लिए सम्पर्क करें।
आचार्य राघवकीर्ति गणेश
मो. 9755910000

।। जय गणेश ।।

दैनिक राशिफल

- **मेष** : आप अपनी संप्रेषण कला के कारण बहुत सारे मामलों में सफलता प्राप्त करेंगे। चारों तरफ से शुभ समाचार मिलेंगे।
- **वृषभ** : शुभ और मंगलकारी कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। कामकाज अधिक करना पड़ेगा, दूसरों का भी हाथ बटाना पड़ेगा।
- **मिथुन** : आपकी उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। और शत्रु भी आपकी तारीफ किए बिना नहीं रहेंगे।
- **कर्क** : मिश्रित फल मिलेंगे शुभ और अशुभ घटनाएं घटेंगी तथा समाचार मिलेंगे।
- **सिंह** : व्यवसाय में उन्नति के प्रयास किसी सीमा तक सफल होंगे। परिवार में बुजुर्गों का, दफ्तर में उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा।
- **कन्या** : आप बहुत अच्छा महसूस करेंगे। अपने पुरुषार्थ और योग्यता के बल पर आप अपना उचित अधिकार प्राप्त करने में सफल होंगे।
- **तुला** : कार्यालय में उतर गतिविधियों के लिए और व्यवसाय में उन्नति के लिए प्रशंसा होगी।
- **वृश्चिक** : उपलब्धियों के कारण समाज तथा परिचय क्षेत्र में मान सम्मान बढ़ेगा। धन लाभ और उन्नति होगी।
- **धनु** : अनुकूल परिस्थितियां होगी, घरेलू शांति और सुख बना रहेगा। कारोबार अच्छा रहेगा।
- **मकर** : खर्च के अनुरूप कमाई ज्यादा होगी। दुविधा की स्थिति समाप्त होगी, ठोस निर्णय लेंगे।
- **कुंभ** : यदि मिट्टी में भी हाथ डालेंगे तो सोना हो जायेगी। बैंक बैलेंस बढ़ेगा और आमदनी के नए साधन भी बनेंगे।
- **मीन** : किसी षड़यंत्र के शिकर होंगे अपने ही लोग झगड़े भी आग लगाकर दूर खड़े हो जायेंगे।

आचार्य राघवकीर्ति 'गणेश'
(ज्योतिष-वास्तु-यज्ञकर्ता और आध्यात्मिक विषय प्रवर्तक)
9755910000
www.jyotishvastu.com

भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव पंकज कुमार बंसल ने डीसीडीसी की बैठक ली

ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को सहकारी समितियों से जोड़कर लाभ दिलाया जाए : श्री बंसल

उज्जैन (राघवकीर्ति)। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव पंकज कुमार बंसल ने सोमवार को जिला सहकारी विकास समिति (डीसीडीसी) की बैठक ली। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के माध्यम से जिले में सहकारिता के माध्यम से चलाई जा रही योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी गई। बैठक में अतिरिक्त सचिव श्री बंसल के निर्देश दिए कि जिले में सरकारी दुग्ध समिति, मत्स्य समितियों का अधिक से अधिक पंजीयन करा कर दुग्ध उत्पादन करने वाले किसान और मछली उत्पादन में जुड़े लोगों को लाभ दिलाया जाए। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ श्रेयांस कूमट भी मौजूद थे। सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन स्थित कलेक्टर सभागार में सोमवार को भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव पंकज कुमार बंसल ने जिला सहकारी विकास समिति की बैठक ली। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों को एम पैक्स, डेयरी, मत्स्य सहकारी संस्थाओं के कार्यक्षेत्र के कवरेज में लाया जा रहा है। भारत सरकार की सहकारिता मंत्रालय की अपेक्षा अनुसार जिले में वर्तमान में कुल 609 ग्राम पंचायत है, इनमें 172 में पैक्स 465 डेरी समितियां और 33 मत्स्य समितियां पंजीकृत है।

जिले में 34 नए बी-पैक्स में से 22 भी बी-पैक्स को पुनर्गठित कर 22 नए बी-पैक्स का पंजीयन किया जा चुका है। इसी तरह एनसीडीसी द्वारा तीन ब्लॉक बडनगर, उज्जैन और तराना में एक-एक पैक्स में एफपीओ का गठन किया जाना प्रस्तावित है। जिले की समस्त 172 पैक्स संस्थाओं में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) की स्थापना की गई है। संस्थाओं द्वारा बिजली बिल भरना, फोन रिचार्ज, पीएम किसान रजिस्ट्रेशन, फास्टेग रिचार्ज आदि कार्य (सीएससी) के माध्यम से किया जा रहा है। संस्थाओं द्वारा विगत 1 वर्ष में राशि 10.15 लाख का व्यवसाय किया गया है। बैठक में जानकारी दी गई कि ग्रामीण स्तर पर जैनेरिक औषधियां को सुगमता से उपलब्ध कराने के लिए जिले की 5 पैक्स समितियां झारडा, माकड़ोन, पंथपिपलई, रूपेटा और नरवर का प्रारंभिक रूप से चयन किया गया है, जिसमें से संस्था रूपेटा को ड्रग लाइसेंस प्राप्त होकर संस्था द्वारा जन औषधि केंद्र का संचालन सुचारु रूप से किया जा रहा है। जिले में खाद वितरण एवं कृषकों से संबंधित अन्य कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए इफको, कृभको व अन्य खाद कंपनियों द्वारा (पीएमकेएसके)के संचालन के लिए 78 संस्थानों में टीवी, 125 संस्थानों में टेबल कुर्सी आदि सामग्रियां प्रदान कर दी गई है। सभी संस्थाओं द्वारा खाद वितरण कार्य किया जा रहा है। जिले में दो इफको आउटलेट की स्थापना की गई है, जिसके माध्यम से संस्थाओं द्वारा कीटनाशक का व्यवसाय किया जा रहा है। बैठक में अतिरिक्त सचिव श्री बंसल ने निर्देश दिए कि जिले में दुग्ध उत्पादन करने वाले किसानों को जोड़कर अधिक से अधिक दुग्ध समिति का गठन किया जाए। इसी तरह जिले में मछुआरों को जोड़कर प्रोत्साहित करें कि वे सरकारी समिति से जुड़े और सब्सिडी का लाभ भी प्राप्त करें। मछुआरा ग्रूप की समिति बनाकर पंजीकृत किया जाए। श्री बंसल ने निर्देश दिए की प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के संचालन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जगह स्थान चयनित कर केंद्र प्रारंभ किए जाएं, जिससे इसका लाभ सभी को मिल सके। बैठक में सहकारिता विभाग, सहकारी बैंक, दुग्ध संघ, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग और कृषि विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

किशोरी बालिकाओं में सर्वाईकल कैंसर की रोकथाम के लिए निशुल्क एच. पी. वी. टीकाकरण अभियान

उज्जैन (राघवकीर्ति)। किशोरी बालिकाओं में सर्वाईकल कैंसर की रोकथाम के लिए निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण किया जा रहा है। एचपीवी निःशुल्क टीकाकरण आगामी 3 माह तक चलेगा। अभियान अंतर्गत 14 वर्ष से 15 वर्ष तक की बालिकाओं को एचपीवी का निःशुल्क टीका लगाया जाएगा। शासन के निर्देशानुसार इस अभियान में 15 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी बालिकाओं को 90 दिन की विशेष छूट दी गई है।

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में 13 स्थानों पर टीके निःशुल्क लगाए जा रहे है। आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज उज्जैन, जिला चिकित्सालय चरक भवन उज्जैन, सिविल अस्पताल माधवनगर, सिविल अस्पताल जीवाजीगंज, सिविल अस्पताल महिदपुर, सिविल अस्पताल नागदा, सिविल अस्पताल खाचरौद, सिविल अस्पताल बडनगर के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घट्टिया, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरवर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झारडा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तराना, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इंगोरिया में टीके निःशुल्क लगाए जा रहे है। एचपीवी निःशुल्क टीकाकरण अभियान अंतर्गत यूवीन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, अपार आईडी, स्टूडेंट फोटो आईडी, पासपोर्ट, मदर एंड चाईल्ड प्रोटेक्शन कार्ड, स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट, प्री मेट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट, परमानेंट ऐजुकेशन नंबर (पेन आईडी), राशन कार्ड, बैंक पास बुक, अनाथ आश्रय का जन्म डिक्लेरेशन प्रमाण पत्र और एज डिक्लेरेशन फार्म (माता-पिता से अंडर टेकिंग लेकर) में से कोई भी एक दस्तावेज मान्य होगा।

एचपीवी टीका पूर्णतः सुरक्षित है व किशोरी बालिकाओं में सर्वाईकल कैंसर की रोकथाम के लिए प्रभावी है। समस्त पात्र उम्र वर्ग की बालिकाएं अपनी नजदीकी टीकाकरण केन्द्र पर जाकर टीका अवश्य लगवाएं। अभियान अंतर्गत 14 से 15 वर्ष आयु की वह बालिकाएं जिनका टीकाकरण पहले हो चुका है उनका पुनः टीकाकरण नहीं किया जाएगा।

शीतला सप्तमी को होगा प्रजापति समाज की मातृ शक्ति एवं वरिष्ठ जनों का सम्मान समारोह का आयोजन

उज्जैन (राघवकीर्ति)। जानकारी देते हुए संघ के अध्यक्ष अशोक जी प्रजापत ने बताया कि चौरासी संघ अपनी परंपरा अनुसार होली के बाद आने वाली शीतला सप्तमी महापर्व का आयोजन करता है इस वर्ष दिनांक 10 मार्च को शीतला सप्तमी के अवसर पर श्री यादें माता की भव्य शोभायात्रा महाकाल मंदिर से 3,30 प्रारंभ होकर 24 खंबा माता, गुदरी चौराहा, पान दरी बाग कार्तिक चौक मोड़ कि धर्मशाला से प्रमुख मार्ग होते हुए मां श्री यादें माता धर्मशाला रामघाट पर पहुंचेगी। इसी कड़ी में आज समिति पदाधिकारी एवं संघ के वरिष्ठ गणमान्य जनों की उपस्थिति में संघ के महासचिव एवं कार्यक्रम संयोजक राधेश्याम प्रजापति ने बताया कि शोभा यात्रा में श्री यादें माता की प्रतिमा एक रथ पर विराजित होगी साथ ही सम्मानित होने वाली मात्र शक्तियों को सम्मानपूर्वक बग्गी बैठाया जाएगा।

शीतलाष्टक सुनें- और लाभ लें
https://youtu.be/XyhLWam7864?si=FxqKGGdyY9QcNydp

श्री रविदास सेवक संघ ने मनाया होली मिलन समारोह

रंग पंचमी के अवसर पर एक-दूसरे को रंग लगाकर मनाया जश्न

उज्जैन (राघवकीर्ति)। श्री रविदास सेवक संघ के तत्वाधान में होली मिलन समारोह एवं रंग पंचमी का उत्सव उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संघ के अध्यक्ष संदीप सूर्यवंशी ने किया। आयोजन समाज की धर्मशाला, राजीव नगर में सम्पन्न हुआ, जहाँ समाज की महिलाओं एवं पुरुषों ने मिलकर गुरु रविदास जी की आरती कर कार्यक्रम की शुरुआत की। आरती के पश्चात होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें समाज की महिलाओं ने एक-दूसरे को रंग लगाकर रंग पंचमी का जश्न मनाया। इस दौरान फूलों की होली भी खेली गई और गुरु रविदास जी के भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ दी गईं। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष आशा सूर्यवंशी, उनकी महिला कार्यकारिणी सहित समाज के वरिष्ठ समाजसेवी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान पूर्व अध्यक्ष मनोहर लाल सूर्यवंशी ने समाज के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा की।कार्यक्रम के अंत में संस्था के सचिव राकेश सूर्यवंशी ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी महिला-पुरुषों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी सद्भाव, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और सामाजिक समरसता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

किसान कल्याण वर्ष 2026

हार्वेस्टर संचालकों की ब्लाक स्तरीय कार्यशाला बड़नगर में आयोजित

उज्जैन (राघवकीर्ति)। उपसंचालक कृषि यू.एस. तोमर ने बताया कि सोमवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व धीरेंद्र पाराशर की उपस्थिति में हार्वेस्टर संचालकों की ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला का आयोजन विकासखंड बड़नगर में किया गया। जिसमें नरवाई प्रबंधन जागरूकता अभियान के बारे में जानकारी दी गई। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा हार्वेस्टर संचालकों को स्ट्रा रीपर अनिवार्य रूप से रखने के लिए निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी उदय अभिनेत्री द्वारा बताया गया कि नरवाई जलाने से खेत की जमीन को काफी नुकसान होता है और भूमि की उर्वरा शक्ति एवं जलधारण क्षमता कमजोर होती है। वहीं सहायक यंत्री श्री सिसोदिया द्वारा नरवाई प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर सहायक यंत्री वैभव प्रजापत, तहसीलदार श्रीमती रुपाली जैन, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि उमराव सिंह, विद्युत विभाग से सहायक यंत्री अनिल प्रताप सिंह एवं समस्त कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित थे।

म.प्र. लघुवेतन कर्मचारी संघ के होली मिलन समारोह में उड़ा गुलाल

उज्जैन (राघवकीर्ति)। बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन में मध्य प्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ द्वारा उत्साहपूर्वक होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष हेमराज घावरी और वाणिज्य कर विभाग के विभागीय अध्यक्ष सुनील खत्री व उनकी टीम के नेतृत्व में आयोजित समारोह के दौरान संघ के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाया और गले मिलकर होली की आत्मीय शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कर्मचारियों के बीच आपसी भाईचारा और उल्लास का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश संगठन सचिव प्रेमचंद नहार, संभागीय अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण गुप्ता, उज्जैन जिला अध्यक्ष हेमराज घावरी, जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष महेश सोनोने, जिला सचिव मुकेश रायकवार और विभागीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र परमार उपस्थित रहे। इनके अलावा महेन्द्र टांकले, चंद्रशेखर निम्बालकर, बेगम बाई मालवीय, विमला सखवार आदि की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस माधव महाविद्यालय में 16वें राष्ट्रीय अधिवेशन का भव्य उद्घाटन, महिला दार्शनिकों ने किया वैचारिक मंथन

समाज को दिशा प्रदान कर रही है भारतीय महिला दार्शनिक परिषद : डॉ. अनिजवाल

उज्जैन (राघवकीर्ति)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय माधव महाविद्यालय में भारतीय महिला दार्शनिक परिषद के 16वें राष्ट्रीय अधिवेशन का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. एच. एल. अनिजवाल ने कहा कि भारतीय महिला दार्शनिक परिषद समाज को नई दिशा प्रदान कर रही है। उन्होंने देश भर से आए प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस शोधपरक और रचनात्मक अधिवेशन में दर्शन के मूलभूत प्रश्नों पर वैचारिक मंथन होगा, जिसके निष्कर्ष निश्चित रूप से समाज का मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने प्राचार्य डॉ. कल्पना सिंह के कुशल नेतृत्व में संस्था द्वारा की जा रही निरंतर प्रगति की भी सराहना की।

महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा - मिला 'नया आकाश'

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कल्पना सिंह ने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर यह आयोजन होना बेहद सुखद है। आज माधव महाविद्यालय में आधी आबादी अपना पूर्ण योगदान दे रही है और देश में चल रही महिला सशक्तिकरण की मुहिम यहाँ साकार हो रही है, जिसकी प्रतीक हमारे बीच उपस्थित महिला दार्शनिक हैं। परिषद की अध्यक्ष डॉ. राजकुमारी सिन्हा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बौद्धिक प्रतिभा में निखार आता है। यह महिलाओं का, महिलाओं के लिए और महिलाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम है, जिसके माध्यम से हम उन्हें एक नया आकाश देना चाहते हैं।

सारस्वत अतिथि डॉ. जटाशंकर तिवारी ने महाकाल की नगरी में आयोजित इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर असीम आनंद व्यक्त किया। इस दौरान डॉ. पूजा व्यास, डॉ. विनीता अवस्थी, डॉ. शोभा निगम और डॉ. आभा होलकर ने भी अपने सार्थक विचार साझा किए।

पुस्तकों का विमोचन एवं सम्मान समारोह

समारोह का शुभारंभ प्रो. शशिकला यादव द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। आयोजन समिति की सचिव डॉ. शोभा मिश्र ने प्राचार्य डॉ. कल्पना सिंह के साथ मिलकर आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. शोभा मिश्र ने स्वागत भाषण के साथ अपनी स्वरचित कविता भी प्रस्तुत की। इस गरिमामय अवसर पर दर्शनशास्त्र की प्राध्यापक व विदुषी डॉ. मृणालिनी फडणवीस, डॉ. शोभा निगम, डॉ. शशिकला यादव और डॉ. आभा होलकर की पुस्तकों का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया। साथ ही, दृष्टि प्रबोधन केन्द्र नागपुर की डॉ. अरुणा सारस्वत को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया, जबकि डॉ. वीरबाला छाजेड़ ने अतिथियों को अपनी पुस्तक भेंट की।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. जफर महमूद ने किया तथा आभार प्रो. विनीता अवस्थी ने माना। इस अवसर पर दर्शन विभाग की प्रो. ज्योति गोयल, प्रो. महेन्द्र सिंह, प्रो. किरण बंडेरिया सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के पश्चात आयोजित तकनीकी सत्रों में शोधार्थियों द्वारा अपने शोध पत्रों का वाचन किया गया।

जीमेल का नया अपडेट

बिना नया अकाउंट बनाए बदल सकेंगे ईमेल एड्रेस

गूगल के इस नए अपडेट की सबसे खास बात यह है कि आपका पुराना ईमेल एड्रेस पूरी तरह खत्म नहीं होगा। वह आपके अकाउंट से एक एलियस के रूप में जुड़ा रहेगा। इसका मतलब यह हुआ कि अगर कोई व्यक्ति आपके पुराने ईमेल एड्रेस पर मेल भेजता है, तो वह भी सीधे आपके नए इनबॉक्स में ही पहुंचेगा।

दुनिया के सबसे लोकप्रिय ईमेल प्लेटफॉर्म जीमेल के करोड़ों यूजर्स के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। गूगल एक ऐसे फीचर पर काम कर रहा है, जिसका इंतजार यूजर्स पिछले लगभग 20 सालों से कर रहे थे। इस नए अपडेट के बाद यूजर्स अपना पुराना या अब अनप्रोफेशनल लगने वाला ञ्जद्दद्वड्डद्बद्य.ष्शद्व ईमेल एड्रेस बदल सकेंगे। सबसे अच्छी बात यह है कि इसके लिए नया अकाउंट बनाने की जरूरत नहीं होगी और न ही आपका पुराना डेटा डिलीट होगा।

नया अकाउंट नहीं, वही इनबॉक्स रहेगा

अब तक जीमेल का नियम काफी सख्त था। एक बार ईमेल एड्रेस बना लिया तो उसे बदला नहीं जा सकता था। अगर किसी यूजर को नया ईमेल एड्रेस चाहिए होता था, तो उसे नया अकाउंट बनाकर अपने कॉन्टैक्ट्स, फोटो, ड्राइव फाइल्स और ईमेल्स को मैन्युअली ट्रांसफर करना पड़ता था। यह प्रक्रिया समय लेने वाली और बेहद झंझट भरी होती थी। नए फीचर के आने से यह परेशानी पूरी तरह खत्म हो जाएगी।

गूगल सपोर्ट पेज से हुआ खुलासा

इस अपकमिंग फीचर की जानकारी गूगल के एक सपोर्ट पेज के जरिए सामने आई है। सपोर्ट डॉक्यूमेंट में साफ संकेत दिया गया है कि भविष्य में यूजर्स अपने मौजूदा जीमेल अकाउंट के भीतर ही ईमेल एड्रेस बदल सकेंगे। यानी आपकी डिजिटल पहचान अपडेट होगी, लेकिन अकाउंट वही रहेगा।

पुराना एड्रेस बनेगा एलियस

गूगल के इस नए अपडेट की सबसे खास बात यह है कि आपका पुराना ईमेल एड्रेस पूरी तरह खत्म नहीं होगा। वह आपके अकाउंट से एक एलियस के रूप में जुड़ा रहेगा। इसका मतलब यह हुआ कि अगर कोई व्यक्ति आपके पुराने ईमेल एड्रेस पर मेल भेजता है, तो वह भी सीधे आपके नए इनबॉक्स में ही पहुंचेगा।

इतना ही नहीं, यूजर्स अपने पुराने और नए दोनों ईमेल एड्रेस का इस्तेमाल करके लॉग इन कर सकेंगे। यानी एक भी जरूरी ईमेल मिस होने का कोई खतरा नहीं रहेगा।

सीमित बार मिलेगा बदलाव का मौका

इस फीचर के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए गूगल ने कुछ शर्तें भी तय की हैं। सपोर्ट पेज के अनुसार, कोई भी यूजर साल में सिर्फ एक बार ही अपना जीमेल एड्रेस बदल पाएगा।

वहीं, पूरे लाइफटाइम में एक अकाउंट से अधिकतम तीन बार ही ईमेल एड्रेस बदलने की अनुमति होगी। इसका अर्थ है कि एक अकाउंट के साथ कुल चार ईमेल एड्रेस लिंक हो सकेंगे, जिसमें एक ओरिजिनल और तीन बदले हुए एड्रेस शामिल होंगे।

भारत में पहले दिख सकता है अपडेट

एक दिलचस्प बात यह है कि इस फीचर की जानकारी सबसे पहले गूगल के हिंदी सपोर्ट पेज पर देखी गई है। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि गूगल इस फीचर का शुरुआती रोलआउट या टेस्टिंग भारत से कर सकता है।

हालांकि, कंपनी ने अभी तक कोई आधिकारिक ग्लोबल घोषणा नहीं की है, लेकिन सपोर्ट पेज पर यह जरूर लिखा गया है कि फीचर को धीरे-धीरे रोलआउट किया जाएगा।

डिजिटल पहचान सुधारने का सुनहरा मौका

जैसे ही यह खबर सोशल मीडिया पर फैली, यूजर्स ने खुशी जाहिर करनी शुरू कर दी। कई लोगों का कहना है कि उन्होंने स्कूल या कॉलेज के समय मजाकिया या ट्रेंडी नामों से ईमेल आईडी बना ली थी, जो अब प्रोफेशनल लाइफ में अजीब लगती है। इस नए फीचर के बाद यूजर्स बिना डेटा खोए अपनी डिजिटल पहचान को ज्यादा प्रोफेशनल और भरोसेमंद बना सकेंगे।

वर्कस्पेस और स्कूल अकाउंट्स पर अलग नियम

यह सुविधा फिलहाल पर्सनल @gmail.com अकाउंट्स के लिए ही बताई जा रही है। अगर आपका ईमेल एड्रेस ऑफिस, स्कूल या किसी संगठन द्वारा दिया गया है, जैसे name@company.com, तो उसे बदलने के लिए आपको अपने एडमिनिस्ट्रेटर से संपर्क करना होगा। सामान्य जीमेल यूजर्स अपने अकाउंट की सेटिंग में जाकर, माय अकाउंट सेक्शन के जरिए यह बदलाव कर सकेंगे। कुल मिलाकर, गूगल का यह नया फीचर जीमेल यूजर्स के लिए एक बड़ा और लंबे समय से जरूरी बदलाव साबित हो सकता है, जो ईमेल इस्तेमाल के अनुभव को और भी आसान बना देगा।

बुढ़ापा कोई बीमारी नहीं, सही देखभाल से जीवन बनाएं खुशहाल

बुढ़ापा कोई बीमारी नहीं है, बल्कि जीवन का एक स्वाभाविक और सम्मानजनक पड़ाव है। जिस तरह बचपन और युवावस्था की अपनी जरूरतें होती हैं, उसी तरह बुढ़ापे की भी अपनी खास जरूरतें और चुनौतियां होती हैं। अक्सर हम उम्र बढ़ने के साथ आने वाली थकान, कमजोरी, याददाश्त की कमी या चलने-फिरने की परेशानी को बीमारी मान लेते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि ये शरीर में धीरे-धीरे होने वाले सामान्य बदलाव हैं। अगर समय रहते सही देखभाल, समझदारी और प्यार मिले, तो बुजुर्ग भी स्वस्थ, सक्रिय और खुशहाल जीवन जी सकते हैं। बुढ़ापे में सबसे ज्यादा जरूरत होती है मानसिक सुकून और भावनात्मक सहारे की। इस उम्र में व्यक्ति को अकेलापन, उपेक्षा और असुरक्षा का एहसास जल्दी होने लगता है। परिवार के साथ बैठकर बातचीत करना, उनके अनुभवों को सुनना और उन्हें सम्मान देना बुजुर्गों के मन को मजबूत बनाता है। जब मन खुश रहता है तो शरीर भी बेहतर तरीके से काम करता है। तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं कम होती हैं और नींद व भूख भी सुधरती है। शारीरिक स्वास्थ्य की बात करें तो बुढ़ापे में भारी काम या ज्यादा कठिन व्यायाम की जरूरत नहीं होती। रोजाना हल्की सैर, योग, प्राणायाम और थोड़ा-बहुत स्ट्रेचिंग शरीर को चुस्त रखने के लिए काफी है। सही और संतुलित भोजन बहुत जरूरी होता है। ताजा बना खाना, हरी सब्जियां, फल, दूध और पर्याप्त पानी शरीर को जरूरी पोषण देते हैं। बहुत ज्यादा तला-भुना, मसालेदार और बाहर का खाना नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए इससे बचना चाहिए। घर पर की जाने वाली छोटी-छोटी देखभाल भी बुजुर्गों के जीवन को आसान बना सकती है। जैसे रात को पैरों में तेल की मालिश करने से नींद अच्छी आती है, गुनगुने पानी से नहाने से जोड़ों का दर्द कम होता है और आंखों को आराम देने से देखने की परेशानी घटती है। दांतों और मुंह की सफाई, नियमित रूप से नहाना और साफ कपड़े पहनना न सिर्फ स्वास्थ्य बल्कि आत्मविश्वास के लिए भी जरूरी है।

बुढ़ापे में नियमित स्वास्थ्य जांच बहुत अहम होती है। ब्लड प्रेशर, शुगर, आंखों, कानों और हड्डियों की समय-समय पर जांच कराते रहने से बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है। दवा सही समय पर लेना और डॉक्टर की सलाह का पालन करना भी उतना ही जरूरी है। साथ ही, बुजुर्गों को उनकी क्षमता के अनुसार छोटे-छोटे कामों में शामिल रखना चाहिए ताकि वे खुद को बेकार या बोझ महसूस न करें।

वायु दोष के असंतुलन में असरदार गरुड़ मुद्रा, मूड स्विंग्स और चिड़चिड़ापन होता है कम

बदलती जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या और बढ़ता मानसिक दबाव आज लोगों की सेहत पर सीधा असर डाल रहे हैं। कम उम्र में ही थकान, सुस्ती, चिड़चिड़ापन, सांस लेने में दिक्कत और रक्त संचार से जुड़ी शिकायतें आम होती जा रही हैं। आयुष मंत्रालय के अनुसार, ऐसी कई समस्याएं शरीर में ऊर्जा के असंतुलन के कारण पैदा होती हैं। ऐसे में सेहत को बेहतर बनाने में योग और हस्त मुद्राएं जैसी विधियां अहम भूमिका निभा सकती हैं। इन्हीं आसान योग अभ्यासों में से एक है गरुड़ मुद्रा, जिसका संबंध वायु तत्व से माना जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, जब शरीर में वायु तत्व असंतुलित हो जाता है, तो व्यक्ति सुस्त रहने लगता है, जल्दी थक जाता है, और उसका मन भी अस्थिर रहने लगता है। गरुड़ मुद्रा इस वायु तत्व को संतुलित करने का काम करती है। इसका नियमित अभ्यास शरीर की सक्रियता बढ़ाने में मदद करता है।

जो लोग ऑफिस में दिनभर बैठकर काम करते हैं, उनके लिए यह मुद्रा लाभकारी है। यह शरीर में रक्त संचार को बेहतर करती है, जिससे हाथ-पैरों में ठंडक, सुन्नपन और कमजोरी की समस्या से राहत मिलती है। बेहतर रक्त प्रवाह से शरीर के अंगों तक पोषण सही तरीके से पहुंचता है, जिससे व्यक्ति खुद को अधिक चुस्त महसूस करता है।

महिलाओं की सेहत के मामले में भी गरुड़ मुद्रा को काफी उपयोगी माना गया है। यह मासिक धर्म के दौरान होने वाले दर्द और ऐंठन में राहत देने में मदद करता है। इसका अभ्यास करने से ऊर्जा का संतुलन बना रहता है, जिससे असहजता कम होती है। इसके अलावा, यह मुद्रा सांस से जुड़ी हल्की समस्याओं में भी लाभ पहुंचाता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर भी गरुड़ मुद्रा का सकारात्मक असर होता है। जिन लोगों का मूड बार-बार बदलता रहता है, जल्दी गुस्सा हो जाते हैं या अंदर से बेचैनी महसूस करते हैं, उनके लिए यह मुद्रा मददगार साबित हो सकती है। इसका नियमित अभ्यास मन को स्थिर करता है, डर को कम करता है और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करता है। इससे व्यक्ति अधिक संतुलित और अनुशासित महसूस करता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, गरुड़ मुद्रा के लिए सुबह का समय सबसे उपयुक्त माना जाता है, क्योंकि उस समय मन शांत रहता है और एकाग्रता आसान होती है। रोजाना करीब 20 से 30 मिनट का अभ्यास पर्याप्त माना जाता है।

गरुड़ मुद्रा का अभ्यास करने के लिए पहले किसी भी आरामदायक स्थिति में बैठ जाएं। रीढ़ और गर्दन सीधी रखें। दोनों हथेलियों को ऊपर की ओर लाएं और अब दाहिने हाथ को बाएं हाथ के ऊपर रखकर अंगूठों को फंसा लें। इस दौरान आंखें बंद कर लें और सांस को सामान्य रखते हुए ध्यान केंद्रित करें। इस स्थिति में मन और मस्तिष्क को शांति मिलती है।

हर बात पर आता है गुस्सा, इस तरह से पाएं काबू, सुधर जाएगी जिन्दगी

वर्तमान समय में हर घर से युवाओं की क्रोधित आवाज सुनाई पड़ जाती है। कहीं-कहीं से तो यह कुछ ज्यादा ही सुनाई देती है। गुस्से में कही गई बातें अक्सर रिश्तों में कड़वाहट घोल देती हैं। कुछ लोग छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा कर बैठते हैं और बाद में पछताते हैं। गुस्सा जहाँ रिश्तों को खत्म करने का काम करता है वहीं गुस्से से आपके शरीर को भी नुकसान होता है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने क्रोध पर काबू रखें। जहाँ आपको क्रोधित होने की आवश्यकता हो वहाँ जरूर अपना गुस्सा प्रकट करें। आज हम अपने खास खबर डॉट कॉम के पाठकों को कुछ ऐसे आसान टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप अपने गुस्से को वश में कर सकते हैं। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं गुस्से को कंट्रोल करने के लिए उस एनर्जी को किसी क्रिएटिव या फिजिकल एक्टिविटी में लगाएं। एक्सरसाइज, डांस या किसी अन्य हॉबी को समय देने से न केवल आपका गुस्सा शांत होगा बल्कि आपको सकारात्मक महसूस होगा।

चुप रहने का प्रयास करें

जब भी गुस्सा आए, तुरंत रिएक्ट करने की बजाय चुप रहने की कोशिश करें। आप चाहें तो 1 से 10 तक उल्टी गिनती गिनें या अपने दिमाग को किसी और काम में व्यस्त कर लें। गुस्से में कोई भी ऐसा कदम न उठाएं, जो आपको बाद में पछताना पड़े। बेहतर होगा कि आप गुस्से की स्थिति में थोड़ा समय लें और खुद को शांत करें।

संगीत को अपनाएँ

शांत और सुकून भरा संगीत सुनना आपके गुस्से को शांत करने में मदद कर सकता है। धीमे और हल्के संगीत से आप अपने मूड को मिनटों में बदल सकते हैं। ध्यान रखें कि लाउड म्यूजिक से बचें क्योंकि यह गुस्से को कम करने की बजाय बढ़ा सकता है।

योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें

मेडिटेशन और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। नियमित मेडिटेशन आपके दिमाग को शांत और स्थिर बनाता है। इससे आप मुश्किल परिस्थितियों को बेहतर तरीके से संभाल पाएंगे। मेडिटेशन न केवल गुस्से को कम करता है बल्कि आपकी सोचने-समझने की क्षमता को भी मजबूत बनाता है।

भावनाओं को कागज पर लिखें

अगर गुस्सा शांत नहीं हो रहा है, तो अपनी भावनाओं को लिखने की आदत डालें। एक डायरी में लिखें कि आपको गुस्सा क्यों आया और आप इसे कैसे संभाल सकते थे। इससे न केवल आप खुद को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे, बल्कि गुस्से के कारणों का विश्लेषण भी कर पाएंगे।

शीतलाष्टक सुनें- और लाभ लें
https://youtu.be/XyhLWam7864?si=FxqKGGdyY9QcNydp

प्रदूषण से चेहरा हुआ निस्तेज? ये 3 स्टेप फेस क्लीन अप देगा तत्काल निखार

बढ़ते प्रदूषण से बेजान हुई त्वचा को घर पर ही 3-स्टेप क्लीन-अप से चमकदार बनाएं। नींबू, चीनी, बेसन और दूध जैसे घरेलू सामग्री का उपयोग करके आप डीप क्लींजिंग, स्क्रबिंग और फेस मास्क के जरिए इंस्टेंट ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं।

आजकल स्किन संबंधित परेशानियां खूब उत्पन्न हो रही है। बढ़ते हुए पॉल्यूशन के कारण स्किन पर ढेर सारी समस्याएं दिखने लगती हैं। कई बार तो स्किन इंफेक्शन भी होने लगता है। अगर आप स्किन को डीप क्लीन करेंगे तो आपकी स्किन इंफेक्शन से बच जाएगी। अब सैलूने की जगह घर पर ही कुछ ब्यूटी टिप्स के जरिए अपनी स्किन को बेहतरीन बना सकते हैं। अब आपको महंगे स्किन ट्रीटमेंट लेने की जरुरत नहीं है। आइए आपको बताते हैं कैसे घर पर ही डीप क्लीन की मदद से स्किन को साफ रखें। सिर्फ नींबू, चीनी, बेसन और दूध की मदद से आप इ़ा क?लीन अप को खुद से कर सकती हैं।

स्टेप- 1 चेहरे की क्लीनजिंग

चेहरे के स्किन पोर्स में गंदगी फंसी हुई हो, तो इसे रिमूव करना जरुरी है। पोर्स के अंदर से गंदगी को बाहर निकालने केलिए चेहरे की क्लींजिंग में ऐसे सामग्री का यूज करें, जो आपके पोर्स को हटा दें।

सामग्री

- 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल
- 5 बूंदें नींबू का रस

विधि

इसके लिए सबसे पहले आप नींबू का रस को मिक्स करें। अब कॉटन पैड से पूरे चेहरे को क्लीन करें। कुछ देर के लिए इस क्लींजर को चेहरे पर लगा रहने दें। ऐसा करने से रोम छिद्र बड़े हो जाएंगे और गंदगी को बाहर निकालना आसान हो जाएगा।

स्टेप - 2 चेहरे को स्क्रब करें

क्लींनजिंग के बाद चेहरे को स्क्रब करना जरुरी है। जो भी डेड स्किन और गंदगी त्वचा से चिपकी हुई है, वह रिमूव हो जाती है। इस बात का ध्यान रखें कि आपका स्क्रब माइल्ड हो।

1

सामग्री

- 1 छोटा चम्मच दूध
-

छोटा

चम्मच छोटे दाने वाली चीनी

विधि

दूध और चीनी को एक साथ मिलाकर तैयार मिश्रण से चेहरे पर लगभग 2 मिनट तक हल्के हाथों से स्क्रब करें, ध्यान रखें कि चीनी पूरी तरह घुली न हो। इसके बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें। यह घरेलू स्क्रब त्वचा की गहराई से सफाई करता है और चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाने में मदद करता है। दूध में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को पोषण देता है, कोलाजेन को बढ़ावा देता है और त्वचा को टाइट व मुलायम बनाता है।

स्टेप-3 चेहरे पर फेस मास्क लगाएं

क्लीन-अप का तीसरा और आखिरी स्टेप, स्क्रब के बाद खुले हुए रोमछिद्रों को फिर से बंद करना होता है। इसके लिए चेहरे पर फेस पैक लगाना बेहद जरूरी है, जिससे त्वचा को ठंडक और कसाव मिलता है। इसके लिए आप केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स की जगह घर पर ही प्राकृतिक सामग्री से फेस पैक तैयार कर सकती हैं, जो त्वचा को पोषण देने के साथ-साथ उसे स्वस्थ और साफ बनाए रखने में मदद करता है।

सामग्री

- 1 बड़ा चम्मच बेसन
- 1 छोटा चम्मच शहद
- चुटकी भर हल्दी

विधि

इसके लिए सबसे पहले आप एक बाउल लें। इसमें बेसन, शहद और हल्दी लें और अच्छी तरह से मिक्स करें। पेस्ट गाढ़ा हो जाए, तो इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक चेहरा पर लगा रहने दं। फिर साफ पानी से चेहरा को धो लें। आखिर में मॉइस्चराइजर लगाएं।

राज्य सरकार लाड़ली बहनों और लाड़ली लक्ष्मी बेटियों के साथ महिलाओं को बना रही है सशक्त

एचपीवी वैक्सीन का एक टीका बेटियों को बचाएगा सर्वाइकल कैंसर से : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में माताओं-बहनों के स्वास्थ्य की चिंता करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सर्वाइकल कैंसर बेटियों की जिंदगी में सबसे कठिन समय होता है। मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर एचवीपी टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई है। इसमें 14 वर्ष से अधिक आयु की बेटियों को 4 हजार रुपए मूल्य का यह टीका निःशुल्क लगाया जा रहा है। वैक्सीन का एक टीका गर्भाशय एवं ग्रीवा कैंसर के प्रति भविष्य में बेटियों को जीवनभर की सुरक्षा की गारंटी देगा और उन्हें गंभीर रोग से बचाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को जबलपुर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इंफॉर्मेशन सेंटर में महिलाओं के लिए आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर और एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आहवान किया कि बहनें और बेटियां सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण का लाभ लेकर टीका अवश्य लगवा लें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीका लगवा चुकी बेटियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। साथ ही जबलपुर में 37 करोड़ रूपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार लाड़ली बहनों से लेकर लाड़ली लक्ष्मी बेटियों तक निरंतर जनकल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ा रही है। लाड़ली बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार योजना की राशि को निरंतर बढ़ा रही है। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को अब 1500 रुपए की राशि हर माह उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। राज्य सरकार ने बहनों को रोजगारपरक उद्योगों में काम करने पर 5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि अलग से देने का निर्णय लिया है। प्रदेश में लैंगिग असमानता को खत्म करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। स्थानीय निकायों के चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। लोकसभा और विधानसभा में भी महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। बेटियां सेना से लेकर हर क्षेत्र में आगे बढ़कर बेहतर भविष्य का निर्माण कर रही हैं।

बहनों से सुरक्षा की गारंटी वाले टीके का लाभ लेने का किया आहवान

स्वस्थ नारी ही सशक्त समाज की आधारशिला

मुख्यमंत्री ने जबलपुर को दी 37 करोड़ लागत के विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगामी नवरात्रि पर्व एवं गुड़ी पड़वा की दीं मंगलकामनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अशोकनगर जिले में करीला धाम पहुंचकर माता जानकी और उनके पुत्र लव-कुश का आशीर्वाद प्राप्त किया और सभी प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री ने जबलपुर को दी 37 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर में 10.51 करोड़ लागत से आधुनिक जनपद भवन का भूमि-पूजन और 27.16 करोड़ लागत से नवनिर्मित गीता भवन सहित 3 अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 21 स्वास्थ्य एवं उप स्वास्थ्य केंद्र और सोलर ट्रैफिक सिस्टम शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संस्कार धानी जबलपुर की छटा देश में सबसे अलग है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को आगामी नवरात्रि पर्व एवं गुड़ी पड़वा की मंगलकामनाएं दीं।

नेत्र दिव्यांग बालिकाओं का किया सम्मान

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एचपीवी टीकाकरण पूर्ण कर चुकी बालिकाओं जिया सेन और अंशी विश्वकर्मा को प्रतीकात्मक रूप से प्रमाण पत्र प्रदान किए। उन्होंने नेत्रहीन कन्या विद्यालय जबलपुर की बालिकाओं से भेंट कर उनका सम्मान भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लखपति दीदी आरती चौधरी और सीता गोंड को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

पूर्व मंत्री अजय बिश्नोई ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी देश का नेतृत्व करते हुए हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं शुरू कर रहे हैं। बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के लिए शुरू की गई टीकाकरण की यह योजना मील का पत्थर सिद्ध होगी। देश और प्रदेश को आगे बढ़ाने में माताओं-बहनों का पूर्ण सहयोग सरकार को मिल रहा है। प्रदेश की आंगनवाड़ी एवं हेल्थ वर्कर्स की सहायता से विभिन्न प्रकार के कैंसर की पहचान करने के लिए आमजन को जागरुक किया।

शीतलाष्टक सुनें- और लाभ लें
https://youtu.be/XyhLWam7864?si=FxqKGGdyY9QcNydp

जल गंगा संवर्धन अभियान की कार्य योजना बनाकर प्रस्तुत करें समय-सीमा बैठक में दिए सख्त निर्देश

वनाधिकार अधिनियम अंतर्गत हक प्रमाण पत्र धारकों को लाभांवित करना सुनिश्चित करें : सीईओ श्रीमती तिवारी

भोपाल (राघवकीर्ति)। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने समय सीमा बैठक में वनाधिकार अधिनियम के अंतर्गत हक प्रमाण पत्र धारकों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभांवित करने के लिए भोपाल जिले के बैरसिया एवं हुजूर तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतों में पात्र हितग्राहियों के चिन्हांकन के लिए सर्वे दलों का गठन कर सर्वे करायें एवं आधारभूत जानकारी गाम पंचायत स्तर एवं जनपद स्तर पर प्रपत्र के रूप में संधारित करें।

तत्पश्चात जिन हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं के लिए चिन्हांकित किया जाए, उन्हें यथा संभव संकल्प से समाधान अंतर्गत नियत समय सीमा में लाभांवित किया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के तहत भोपाल जिले में किये जाने वाले कार्यों के विभागवार सूची एवं कार्य योजना तैयार कर प्रस्तुत करें। 19 मार्च से प्रारंभ होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान में विगत वर्ष किये गये कार्यों का जीआईएस एवं सिपरी सॉफ्टवेयर के अनुसार रिपोर्ट प्रस्तुत करें एवं इस वर्ष भोपाल जिले की जल संरचना एवं संवर्धन के लिए सभी विभाग जीआईएस सिपरी के माध्यम से ही जगह का चिन्हांकन करें। पंचायत एवं ग्रामीण विकास के द्वारा भोपाल जिले की जनपद फंदा एवं बैरसिया के कुल 483 ग्रामों में सिंचाई के लिए तालाब, नहर, कुएं एवं सिंचाई की लघु परियोजना सहित जिले में 666 खेत तालाब, 691 कूप रिचार्ज, 6 अमृत सरोवर सहित 472 अलग - अलग जल सरंचनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही जल संसाधन, वन, कृषि, उद्यानिकी, नगर निगम एवं अन्य विभागों के द्वारा भी वृहद स्तर पर जल गंगा संवर्धन अभियान में कार्य किये जायेंगे।

एडीएम सुमित पांडेय ने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सभी अधिकारियों को आगामी दिवस में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों के प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। श्री पांडेय ने कहा कि प्रत्येक शिकायत की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा शिकायतों का संतोषजनक और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे जिले की रैंकिंग में सकारात्मक सुधार लाया जा सके। बैठक में अपर कलेक्टर श्री पांडेय ने सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन और सीएम डैशबोर्ड पर लंबित शिकायतों के समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए इसके साथ ही अपर कलेक्टर श्री पांडेय ने नामांतरण, बंटवारा, समग्र ई-केवाईसी, फॉर्मर रजिस्ट्री और कलेक्टर्स- कमिश्नर्स कान्फ्रेंस के कृषि एवं कृषि आधारित बिन्दुओं पर कार्यवाही करने, संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत, क्लस्टर वाइस शिविरों का आयोजन कर, हितग्राहियों को लाभांवित करने एवं अधिक से अधिक आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने ने समग्र आईडी के डुप्लीकेशन, लोकसेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों का समय- सीमा में निराकरण करने, वन अधिकार अधिनियम दावा आपत्तियों के निराकरण एवं वन ग्रामों का राजस्व ग्रामों में परिवर्तन, कार्यक्रम में गति लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

इस अवसर पर बैठक में एडीएम प्रकाश नायक, एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रम विभाग की पहल पर भोपाल में घर-घर तकनीकी सेवाएं उपलब्ध कराने की पहल

भोपाल (राघवकीर्ति)। श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के निर्देश पर ÷श्री÷ अवधारणा के अंतर्गत श्रमिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार एवं संपूर्ण विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों श्रम विभाग द्वारा संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में श्रम विभाग की पहल पर गठित प्रथम श्रमणा सहकारी समिति, भोपाल द्वारा शहर के नागरिकों को आईटीआई प्रशिक्षित, तकनीशियनों के माध्यम से घर-घर में तकनीकी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को सुरक्षित, विश्वसनीय एवं पेशेवर घरेलू तकनीकी सेवाएं उपलब्ध कराना तथा प्रशिक्षित श्रमिकों को सम्मानजनक एवं स्थायी रोजगार के अवसर प्रदान करना तथा स्वयं का रोजगार प्रारम्भ करने को बढावा देना है।

प्रथम श्रमणा श्रमिक सहकारी समिति के माध्यम से वर्तमान में भोपाल में प्लम्बर, इलेक्ट्रिशियन, बढ़ई (कारपेंटर) तथा रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग तकनीशियन की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सेवाओं के लिए न्यूनतम सेवा शुल्क 200 निर्धारित किया गया है, जिससे नागरिकों को पारदर्शी एवं निर्धारित शुल्क पर सेवाएं प्राप्त हो सकें। समिति द्वारा सेवाओं को अधिकतम दक्षता एवं लागत प्रभावशीलता के साथ संचालित करने तथा बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिष्ठित एवं अनुभवी संस्थाओं से इन क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करने हेतु राजस्व साझेदारी मॉडल (Revenue Sharing Model) के आधार पर प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। लेखा सेवाएं (Accounting Services), विज्ञापन एवं जनसंपर्क सेवाएँ (Advertisement & Public Relations / Outreach), प्रबंधन एवं संचालन सेवाएँ (Management and Operational Support) तथा तकनीकी सेवाएँ (IT & Technical Services), अकाउंटेंट/लेखा फर्म, विज्ञापन एवं ब्रांडिंग एजेंसियां तथा प्रोफेशनल मैनेजमेंट/कंसल्टिंग फर्म प्रस्ताव भेजने हेतु पात्र किया गया है।

इच्छुक संस्था का प्रस्ताव सीलबंद लिफाफे में स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक द्वारा सामात के पजाकृत कायर्यालय-प्रथम श्रमणा सहकारी समिति, शासकीय आई.टी.आई. परिसर, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) - 462023 पर दिनांक 30 मार्च 2026 (सोमवार) शाम 05.00 बजे तक जमा करने का बताया गया हैं। अधिक जानकारी के लिये समिति के अधिकृत मोबाइल नम्बर 7805027023, 7470888745, ईमेल - prathamshramana@gmail. com पर भी संपर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कूनो राष्ट्रीय उद्यान में 5 शावकों के जन्म पर जताई खुशी

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कूनो राष्ट्रीय उद्यान में 5 शावकों के जन्म पर खुशी जताई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान से एक और प्रसन्नता देने वाला समाचार मिला है। कूनो उद्यान में मादा चीता 'ज्वाला' ने 5 शावकों को जन्म दिया है। चीता परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है कि चीतों की पुनर्स्थापन के बाद 10वीं बार सफलतापूर्वक जन्म हुआ है। यह इस बात का प्रतीक है यहां की जलवायु चीतों को रास आ गई है।

परोपकार, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को प्रोत्साहित करना ही आनंदम का ध्येय : मंत्री श्री परमार

भोपाल (राघवकीर्ति)। राज्य सरकार द्वारा संचालित आनंदम कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में परोपकार, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को प्रोत्साहित करना है। आनंदम सहयोगी समाज के विभिन्न वर्गों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सकारात्मक पहल को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को सामाजिक समरसता, सहयोग और सेवा के भाव को मजबूत करने की प्रेरणा दी जा रही है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने रविवार को चित्रकूट स्थित उद्यमिता विद्यापीठ में राज्य आनंदम संस्थान द्वारा आयोजित आनंदम सहयोगी के प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही। मंत्री श्री परमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित किया और समाज में सकारात्मकता, सेवा भावना तथा मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने में आनंदम अभियान की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि समाज में खुशहाली और संतोष की भावना तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास के लोगों की मदद और सहयोग के लिए आगे आए। श्री परमार ने प्रशिक्षुओं से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान और अनुभव को समाज के बीच ले जाकर जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर विधायक चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार, रीवा संभाग के कमिश्नर बी.एस. जामोद, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह, कुलगुरू महात्मा गांधी चित्रकूट विश्वविद्यालय आलोक चौबे, प्रशिक्षक और विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागी उपस्थित थे।

देश के जिलों में बैतूल जिला दूसरे तथा नर्मदापुरम तीसरे स्थान पर

भोपाल (राघवकीर्ति)। प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना में 15 जनवरी से 8 मार्च तक आयोजित विशेष पंजीयन अभियान में श्रमिकों के पंजीयन में मध्यप्रदेश ने देश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। मध्यप्रदेश के बैतूल में सर्वाधिक 1771 पंजीयन हुए है। बैतूल जिला देश के जिलों में दूसरे स्थान पर तथा नर्मदापुरम जिला 1501 पंजीयन के साथ तीसरे स्थान पर रहा है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले रेहड़ी-पटरी वाले, रिक्शा चालक, घरेलू कामगार आदि जिनकी आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच है तथा मासिक आमदनी 15 हजार रूपये से कम है, उनके लिये केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना प्रारम्भ की गई है।

युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, संवेदनशीलता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच है एनएसएस : मंत्री श्री परमार

भोपाल (राघवकीर्ति)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सामाजिक संवेदनशीलता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच है। मंत्री श्री परमार गत दिवस चित्रकूट स्थित उद्यमिता विद्यापीठ के विवेकानंद सभागार में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर का विधिवत शुभारंभ कर, स्वयं सेवकों को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर युवाओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और उन्हें निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आगे आएं और अपने ज्ञान व ऊर्जा का उपयोग जनकल्याण के कार्यों में करें। युवाओं की भागीदारी से ही समाज और राष्ट्र के विकास को गति मिलती है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से छात्र-छात्राएं समाज के कमजोर वर्गों की सहायता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता तथा सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य कर रहे हैं, जो अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि 7 दिन की नियमित गतिविधियों के साथ ही स्वयंसेवक चित्रकूट के आध्यात्मिक वैभव और विरासत को भी जानने का प्रयास करें। राष्ट्रीय सेवा योजना का यह शिविर 8 से 14 मार्च तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवी छात्र-छात्राएं सहभागिता कर नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा सेवा भावना से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर चित्रकूट विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार, रीवा संभाग आयुक्त बी एस जामोद, संत जीवनदास महाराज, कुलगुरू अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा राजेन्द्र कुराडिया, कुलगुरू महात्मा गांधी चित्रकूट विश्वविद्यालय आलोक चौबे सहित प्रशासनिक अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्वयंसेवी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सीएम हैल्पलाइन, गेहूँ उपार्जन, जनगणना व अन्य कार्यक्रमों की भी हुई समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में 13 मार्च को लाड़ली बहना सम्मेलन प्रस्तावित

कलेक्टर ने दिए निर्देश गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर करें सभी व्यवस्थायें

ग्वालियर (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में घाटीगाँव में प्रस्तावित लाड़ली बहना सम्मेलन एवं विकास कार्यों के लोकार्पण व भूमिपूजन कार्यक्रम की तैयारियों की अंतरविभागीय समन्वय बैठक में समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर सभी तैयारियों को अंतिम रूप दें। आयोजन स्थल पर लाड़ली बहनाओं सहित सभी प्रतिभागियों के बैठने के लिये बेहतर से बेहतर व्यवस्था करें। साथ ही पेयजल की भी पुख्ता व्यवस्था की जाए। जिन कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण होना है, उनकी सूची जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश भी विभागीय अधिकारियों को दिए गए।

सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में सीएम हैल्पलाइन, समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन की तैयारी, निर्माणाधीन सांदीपनि स्कूल व अन्य स्कूल भवन, जनगणना की तैयारी, संकल्प से समाधान, सहकारी बैंकों की वसूली व पुस्तक मेला सहित शासन की प्राथमिकता वाले अन्य कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर कुमार सत्यम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत व अपर जिला दण्डाधिकारी सी बी प्रसाद सहित जिले के सभी एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

सीएम हैल्पलाइन के प्रति उदासीन अधिकारियों का कटेगा 5 - 5 दिन का वेतन

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सीएम हैल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कहा कि जिले के सभी एसडीएम सीएम हैल्पलाइन की शिकायतों को गंभीरता से लें। एसडीएम व्यक्तिगत रुचि लेकर अधीनस्थ अमले के माध्यम से राजस्व विभाग से संबंधित सीएम हैल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएम हैल्पलाइन की पुरानी शिकायतों के निराकरण के प्रति उदासीन तहसीलदारों व नायब तहसीलदारों का 5 ङ्क 5 दिन का वेतन काटने के लिये नोटिस जारी करें। साथ ही अपर जिला दण्डाधिकारी सी बी प्रसाद को अगले 4 सोमवार को भितरवार में बैठक लेकर शिकायतों का निराकरण कराने के निर्देश दिए हैं।

ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखकर उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिये पुख्ता व्यवस्थायें करें

अंतरविभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने रबी उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि जिले के सभी उपार्जन (खरीदी) केन्द्रों पर किसानों के लिये पुख्ता बुनियादी सुविधायें जुटाएं। हर केन्द्र पर छाया, पेयजल व किसानों के बैठने के लिये बेहतर व्यवस्था रहे। उन्होंने सभी एसडीएम को भी निर्देश दिए कि शेष गेहूँ उत्पादक किसानों का पंजीयन कराने के लिये क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगणों से संपर्क कर उनका सहयोग लें। बैठक में बताया गया कि पंजीयन के लिये 10 मार्च आखिरी तिथि है। जिले में अब तक लगभग साढ़े 11 हजार किसान अपना पंजीयन करा चुके हैं। पिछली साल लगभग साढ़े 13 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था। सरकार द्वारा इस साल बोनस सहित 2625 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी की जायेगी। जिले में 23 मार्च से 22 मई तक गेहूँ का उपार्जन होगा।

शीतलाष्टक सुनें- और लाभ लें
https://youtu.be/XyhLWam7864?si=FxqKGGdyY9QcNydp

अपर कलेक्टर कुमार सत्यम एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत सभी शासकीय कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो शासकीय सेवक समय पर उपस्थित नहीं होंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

शासकीय कार्यालयों में उपस्थिति के लिये बायोमैट्रिक सिस्टम लगवाने व सार्थक एप का उपयोग करने के लिये भी कहा गया। मौजूदा माह में 20 से 27 मार्च तक मेला के दस्तकारी हाट बाजार में लगने जा रहे पुस्तक मेला की तैयारियों की समीक्षा भी की गई। साथ ही कहा गया कि पुस्तक विक्रेताओं की सूची लेकर जल्द से जल्द दुकान आवंटन की कार्रवाई कराएं। पुस्तक मेले में पाठ्य पुस्तकों व स्टेशनरी पर दुकानदारों द्वारा दी जाने वाली न्यूनतम छूट की जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिये भी कहा गया। पुस्तक मेला परिसर में फूड स्टॉल लगवाने के लिये जिला आपूर्ति नियंत्रक को निर्देशित किया गया।

अपनों से बिछुड़ी बुजुर्ग महिला को परिवार से मिलाया

ग्वालियर (राघवकीर्ति)। अपनों से बिछुड़ी बुजुर्ग महिला को परिवार से मिलाकर वरिष्ठ न्यायाधीशगणों ने मानवता का संदेश दिया है। यह महिला ग्वालियर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-2 पर निराश अवस्था मे बैठी मिली थी। प्रोटोकॉल ड्यूटी के दौरान मौजूद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रशांत पाण्डेय, स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट अतुल यादव और जिला रजिस्ट्रार भूपेन्द्र सिंह कुशवाह ने महिला से बातचीत कर उसकी स्थिति जानी। करीबन 75 वर्षीय महिला ने अपना नाम अनवरी बेगम बताया। उसका कहना था कि वह शिवपुरी से अपने बेटे के साथ वह ग्वालियर आ रही थी। शिवपुरी स्टेशन पर बेटा पानी लेने उतरा और ट्रेन चलने से वह पीछे रह गया। महिला अकेले ही ट्रेन से ग्वालियर पहुँच गई, जहाँ एक सहयात्री की मदद से वह प्लेटफॉर्म पर उतर गई।

दसवीं एवं बारहवीं की बोर्ड परीक्षा को निष्पक्ष, पूर्ण पारदर्शिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न कराने पर कलेक्टर ने समस्त अधिकारियों को बधाई दी एवं धन्यवाद ज्ञापित किया

यूपीएससी की परीक्षा में चयनित विश्वजीत गुप्ता के परिवार को श्री वानखड़े ने किया सम्मानित विश्वजीत का चयन पूरे दतियावासियों के लिए गौरव का विषय : श्री वानखड़े

दतिया (राघवकीर्ति)। दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं के निष्पक्ष, पूर्ण पारदर्शिता एवं सफल संचालन के लिए दतिया की पूरी टीम को धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूँ कि इसी तरह आगामी वर्षों की परीक्षाएं भी सफलतापूर्वक आप सभी के माध्यम से एवं समन्वय के साथ संपन्न हो। यह बात कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े ने प्रत्येक सोमवार को होने वाली समयसीमा बैठक में कही। उन्होंने कहा कि यह केवल एक अच्छी टीम भावना और समन्वय से ही संपन्न हो पाया है। इसके लिए बोर्ड परीक्षाओं में लगे समस्त अधिकारी बधाई के योग्य है। यूपीएससी में चयनित दतिया के विश्वजीत गुप्ता जिन्होने 67 रैंक हासिल की है। श्री वानखड़े ने आज बैठक की शुरुआत विश्वजीत गुप्ता और उनके सम्पूर्ण परिवार को सम्मानित कर की। उन्होंने कहा की विश्वजीत का चयन पूर्व दतिया वासियों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने उनके आगामी भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इसके उपरांत श्री वानखडे ने प्रत्येक सोमवार को होने वाली समयसीमा बैठक के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा कर समस्त अधिकारियों को समय सीमा में उनका निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए। राजस्व विभाग के नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन गिरदावरी इत्यादि के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निपटान करने के निर्देश दिए। उन्होंने पट्टा सर्वे, पीएम स्वनिधि, आधार समग्र ईकेवाईसी, लोक सेवा गारंटी में लंबित प्रकरण संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति, अवमानना प्रकरण, अंतर्विभागीय मुद्दे, टीएल निलंबित पत्रको की समीक्षा कर विस्तृत दिशा निर्देश दिए एवं उन पर तुरंत कार्यवाही करते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षय कुमार तेम्रवाल, अपर कलेक्टर महेन्द्र सिंह कवचे, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती श्रृति अग्रवाल, लोकेन्द्र सिंह सरल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य कर रहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकायें एवं श्रेष्ठ खिलाड़ी सम्मानित

ग्वालियर (राघवकीर्ति)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार 9 मार्च को बाल भवन में महिला सशक्तिकरण के विविध रंग नजर आए। बालिका सशक्तिकरण पर केन्द्रित नृत्य, चित्रकला, मेंहदी व रंगोली प्रतियोगिता ने कार्यक्रम में अलग-अलग रंग भरे। वहीं महिलाओं व बालिकाओं के ड्रायविंग लायसेंस बनाने के लिये 'पिंक ड्रायविंग लायसेंस कैम्प' भी लगाया गया। जिसमें लगभग 1100 महिलाओं के आवेदन प्राप्त हुए।

जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव भी इस कार्यक्रम की साक्षी बनीं। साथ ही कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने भी 'पिंक ड्रायविंग लायसेंस कैम्प' का जायजा लिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव ने उत्कृष्ट कार्य कर रहीं जिले की 10 - 10 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को सम्मानित किया। साथ ही विभिन्न खेलों व शिक्षा में ग्वालियर का नाम रोशन करने वाली बालिकायें भी सम्मानित की गईं। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास श्रीमती उपासना राय भी उपस्थित थीं।

जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलायें हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन कर रही है। समाज के समग्र विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समान अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती उपासना राय ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं और बच्चों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और आत्मनिर्भरता अत्यंत आवश्यक है। महिला बाल विकास विभाग के सहायक संचालक राहुल पाठक ने बताया कि महिलाओं व बालिकाओं के ड्रायविंग लायसेंस बनाने के लिये लगाए गए 'पिंक ड्रायविंग लायसेंस कैम्प' में लगभग 1100 महिलाओं व बालिकाओं ने आवेदन दिए हैं। इनमें से लगभग 300 महिलाओं के आवेदनों को पंजीकृत कर लिया गया है। शेष महिलाओं के आवेदन भी दो दिन के भीतर पंजीकृत कर लिए जायेंगे। इसके बाद परिवहन विभाग के प्रावधानों के अनुसार इन सभी के ड्रायविंग लायसेंस बनाए जायेंगे।

तीन दिवसीय वार्षिक करीला मेला सम्पन्न

अशोक नगर (राघवकीर्ति)। अशोकनगर जिले की बहादुरपुर तहसील की ग्राम पंचायत जसैया के ग्राम कानीखेडी स्थित मध्यप्रदेश तीर्थ क्षेत्र मां जानकी माता करीला धाम पर रंगपंचमी के अवसर पर 7 से 9 मार्च 2026 तक तीन दिवसीय वार्षिक करीला मेला सम्पन्न हुआ। लाखों श्रद्धालुओं ने करीला पहुंचकर किए माता जानकी के दर्शन करीला के मुख्य मंदिर में मॉ जानकी के साथ-साथ महर्षि वाल्मीकि व लव- कुश की प्राचीन प्रतिमायें स्थापित है। रंगपंचमी पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का करीला धाम आना प्रारंभ हो गया था। रंग पंचमी के दिन व रात में लाखों श्रद्धालुओं ने मॉ जानकी के मंदिर में मत्था टेककर आर्शीवाद लिया तथा दर्शन लाभ लिए। मॉ जानकी के दरबार में आकर लाखों श्रद्धालुओं ने माता जानकी मैया के जयकारों के साथ रैलिंग में कतारबद्ध होकर दर्शन किए तथा मन्नतें मॉगी।

महिला दिवस महिला शक्ति से अवगत कराना है : डॉ. शुक्ला

उज्जैन (राघवकीर्ति)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। लेकिन महिलाएँ 264 दिन सम्मान, सहयोग, सद्भाव, स्वास्थ्य और समान अवसरों की हकदार हैं। यह दिवस महिलाओं को महिला शक्ति मतलब उन्हें उनकी क्षमता से अवगत कराना है और उनकी क्षमता को सम्मानित करना है। उनके कार्य सहयोग, योगदान को समाज के समक्ष रेखांकित करना है। उनकी उपलब्धियों को प्रेरणास्वरूप बनाना है। महिला दिवस शक्ति, दृढ़ता और निडर प्रतिभा का उत्सव है। आप समस्त महिला शक्ति के साहसिक सुंदर रचनात्मक कार्य, संचालन को परिवार, समाज, राष्ट्र की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में अंकित करना है।

महिला दिवस इसलिए भी धूमधाम से मनाया जाना चाहिए कि महिलाओं द्वारा, आपके द्वारा समाज में दिए गए योगदान, आपके (महिलाओं के) संघर्ष, उनके सामने आने वाली चुनौतियाँ को याद करना है। महिला दिवस की प्रासंगिकता इसलिए भी है कि परिवार, समाज, राष्ट्र को यह याद रहे कि उनकी भूमिका परिवार, समाज, राष्ट्र में कितनी अहम है, खास है।

उक्त विचार ऑक्सफोर्ड जूनियर कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ. सरोज शुक्ला ने सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की डॉ. आम्बेडकर पीठ व कृपा सोशल वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ग्राम चंदेसरी में आयोजित महिलाओं का महिलाओं से संवाद विषय पर आयोजित परिसंवाद में व्यक्त किए।

महिला दिवस पर आयोजन इसीलिए अनिवार्य है और उपयोगी अवसर है। लैंगिक समानता वाली दुनिया के निर्माण में प्रत्येक की भूमिका महत्वपूर्ण है। लैंगिक समानता और संतुलन महिलाओं का नहीं आर्थिक मुद्दा है। महिलाओं के विविध प्रतिनिधित्व स्पष्ट रूप से दिख रहे हैं। आज इस प्रतिनिधित्व को सुरक्षित करने की आवश्यकता है। समान अवसर तो है लेकिन समानता और निष्पक्षता पर अभी काम बाकी है। महिलाओं, युवतियों में समानता, सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करना ही आधी दुनिया की सकारात्मक प्रगति होगी।

कृपा सोशल वेलफेयर सोसायटी के निदेशक फॉदर सुनील ने कहा कि महिलाएं असाधारण व्यक्तित्व की धनी है। उनकी शक्ति, दृढ़ता, निर्णय लेने की क्षमता ने उन्हें आज सशक्त महिला के रूप में स्थापित किया। महिलाएं अब अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य अवसरों के प्रति जागरूक है। ग्रामीण महिलाओं की शिक्षा भले ही कम हो लेकिन वो अपनी बेटी-बेटे को शिक्षा देने में पीछे नहीं है। उनके 16 घंटे कार्य के होते हैं फिर भी वे अपने कर्त्तव्यों के प्रति सजग होती है। आज महिलाओं को स्वयं की शक्ति को पहचान कर उद्देश्यपूर्ण तरीके से अपने विचार, सपनों को आकार देने की आवश्यकता है। जब कोई आप पर विश्वास न करे, तब आपको स्वयं पर विश्वास कर चुनौतियों का सामना करना होगा। आधुनिक और डिजीटल युग में सबकुछ संभव है। आज महिलाओं को अपनी इच्छा शक्ति प्रबल करनी होगी। दुनिया का कोई भी कार्य संभव नहीं है।

विदेशी भाषा विभाग की रशियन भाषा की प्राध्यापक सुश्री निशा चौरसिया ने कहा कि अनेक बाधाओं के बावजूद महिलाओं ने अपने दृढ़ संकल्प और शक्ति से सिर्फ समाज को ही आकार नहीं दिया बल्कि इतिहास बदल दिया है। हम केवल प्रसिद्ध हस्तियों को ही क्यों अपने परिवार के रोजमर्रा की नायिकाओं का- माता, बहन, दादी, चाची, हमारे परिवार में प्रतिदिन दैनिक कार्यों में हमारा सहयोग देने वाली दीदी उन सबका सम्मान करें। हम सपने बड़े देखें लेकिन उनकी शुरुआत छोटी ही होगी। अपने आप पर विश्वास रखते हुए अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानते हुए सभी अवसरों का लाभ उठाते हुए नई इबारत लिखनी होगी। कुछ अलग करने का साहस ही आपको परिवार, समाज, प्रतिष्ठित करेगा।

चंदेसरी नयापुरा में कार्यक्रम में महिलाओं के लिए गेम, भजन की भी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें पुरस्कार वितरण भी किया गया। श्रीमती सविता कुशवाह, श्रीमती कविता कुशवाह को अलग गेम में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। रीमती राधा प्रजापत, श्रीमती ममता कुशवाह को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। सभी प्रतिभागी महिलाओं को सम्मान स्वरूप पानी की बॉटल उपहार में वितरित की गई।

कार्यक्रम का संयोजन, संचालन, आभार व विशेष वक्तव्य डॉ. आम्बेडकर पीठ की सहायक प्राध्यापक डॉ. निवेदिता वर्मा ने दिया। सिस्टर लीना कृपा सोशल वेलफेयर सोसायटी की मुख्य समन्वयक श्रीमती रेखा वासनिक, कृपा सोशल वेलफेयर सोसायटी की आउटरीच वर्क उदित बामनिया कृपा सोशल वेलफेयर सोसायटी के समन्वयक सहयोग से खेलकूद प्रतिस्पर्धा आयोजित की।

चंदेसरी के चार स्वयं सहायता समूह श्री गणेश, दीपक, वर्षा, साईराम समूह नयापुरा से कोमल स्वयं सहायता समूह व हामूखेड़ी के बीजासन व लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में श्रीमती शारदा छाड़िया, श्रीमती ललिता छाड़िया ने भजन प्रस्तुति दी। श्रीमती ममता कुशवाह, श्रीमती निर्मला प्रजापति ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। उषा छाड़िया, अंकुर टिटवानिया, देवेन्द्र राय का विशेष सहयोग रहा।

प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन

प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन का होली मिलन समारोह हुआ

उज्जैन (राघवकीर्ति)। प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन का होली मिलन एवं पाक्षिक बैठक विक्रम कीर्ति मंदिर के समीप उद्यान में सम्पन्न हुई। होली मिलन समारोह के मुख्य अतिथि गोविंद प्रसाद कचोले (पूर्व व्याख्याता) विशेष अतिथि चन्द्रशेखर शर्मा, रामेश्वर वर्मा, प्रदीप माहेश्वरी, बंशीधर सोनी एवं अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अशोक दुबे ने की। समारोह के शुभारम्भ में चन्द्रशेखर शर्मा द्वारा गीत प्रस्तुत किया। संभागीय अध्यक्ष कोमल भूतड़ा ने संगठन की प्रांतीय आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

जिलाध्यक्ष अशोक दुबे ने 16 अप्रैल को भोपाल के धरना प्रदर्शन में सम्मिलित होने का आव्हान किया। श्री दुबे ने पेंशनर को 3 प्रतिशत डीआर की बधाई देते हुए शासन द्वारा पूरा एरियर नहीं देने पर दुःख जताया। होली मिलन समारोह में पेंशनर साथियों ने अबीर गुलाल रंग से होली खेली। इस अवसर पर जयशंकर पाण्डेय, कैलाशचन्द्र राठौर, महेश पण्डित, सुरेश भरद्वाज, रमेशचंद सेदीवाल, कैलाशचन्द गुर्जर, रेणू रावल, कु. आनंदी मोर्य, राजश्री नीमा, रमाकांत सिरे, सुभाष जोशी, पी.आर. निगम, बालमुकुन्द गंधे, रमेश वर्मा सुरेशचन्द्र, मधुमती सक्सेना, दिनेश व्यास रमेश मालवीय आदि उपस्थित रहे आज की बैठक में 70 सदस्यों ने भाग लिया अंत में सामूहिक राष्ट्रगान हुआ। इस अवसर पर समारोह का संचालन जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रभु चौधरी ने किया एवं आभार पूर्व प्राचार्य प्रकाश लोहानी ने माना। यह जानकारी डॉ. स्वामी नाथ पांडेय मीडिया प्रभारी द्वारा दी गई।

शीतलाष्टक सुनें- और लाभ लें
https://youtu.be/XyhLWam7864?si=FxqKGGdyY9QcNydp

उज्जैन के क्रिकेट खिलाड़ी आरूष अग्रवाल का मुम्बई में तिहरा नाबाद शतक

उज्जैन (राघवकीर्ति)। आई. बी. एस. क्रिकेट अकादमी के अध्यक्ष शुभमंगल सेठी के अनुसार मुम्बई में खेली जा रही एम.सी.सी. प्रो फोर्टी डेज लीग टूर्नामेन्ट में उज्जैन के आरूष अग्रवाल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 305 रनों का नाबाद योगदान कर अपनी टीम को विजयी बनाया। इन्होंने 58 चौके व छक्के की मदद से 305 रन बनाये व मेन ऑफ दी मेच का पुरस्कार प्राप्त किया।

सेठी के अनुसार मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य, पूर्व चयन समिति के सदस्य सलीम खान द्वारा अकादमी के अच्छे खिलाडियों के इंदौर, मुम्बई, भोपाल व अन्य जगह से खिलाकर उन्हें अच्छे अवसर प्रदान करने का प्रयास करते है। पूर्व में देवेन्द्र बुंदेला व कई खिलाड़ियों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक भेज चुके है। अकादमी के कुछ खिलाड़ी बाहर खेलकर अच्छा प्रदर्शन कर रहे है। अमन अली रणजी ट्राफी में नेट बॉलर के रूप में खेल रहे है। विराट माहेश्वरी मुम्बई, राजवीर गामी इन्दौर के क्लब क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे है। सेठी के अनुसार इस वर्ष समर क्रिकेट केम्प में 5 वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक के करीबन 400 खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जावेगा। खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिये पुणे व मुम्बई से कोच बुलवायें जावेंगे। यह जानकारी म. प्र.क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य सलीम खान कप्तान, उज्जैन सभागीय क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सुरेन्द्र काबरा हीरू कप्तान व संभागीय सहसचिव डॉ. संजीव जैन ने दी।

सड़क चौड़ीकरण और मुआवजे को लेकर कांग्रेस का हल्लाबोल, नगर निगम का किया घेराव

तख्तियां लेकर किया पैदल मार्च, निगम गेट पर धरने पर बैठे; विधायक और निगम प्रशासन पर साधा निशाना

उज्जैन (राघवकीर्ति)। शहर में चल रहे सड़क चौड़ीकरण के मुद्दे और प्रभावितों को उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर शहर कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को नगर निगम कार्यालय पर उग्र प्रदर्शन किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षदों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मजदूर संघ कार्यालय से नगर निगम तक पैदल मार्च निकाला। हाथों में तख्तियां लिए कांग्रेसजनों ने निगम प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और विरोध स्वरूप निगम गेट पर ही जमीन पर धरने पर बैठ गए।

इस दौरान निगमायुक्त के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस ने शहर के नागरिकों के हित में कई प्रमुख मांगें रखीं। ज्ञापन में पिपलीनाका और गढ़कालिका मार्ग की चौड़ाई 80 फीट करने, एम.आर. 4 मार्ग की चौड़ाई 60 फीट करने, तथा महाकाल, पटनी बाजार और गोपाल मंदिर मार्ग के व्यापारियों की चौड़ीकरण के संदर्भ में की जा रही मांगों पर विचार करने के लिए कहा गया है। साथ ही, विकास योजना 2035 के अनुसार मार्गों की चौड़ाई कम करने पर विचार करने और नगर निगम अधिनियम 1956 की धारा 305 एवं 306 के तहत सभी प्रभावितों को क्षतिपूर्ति (मुआवजा) राशि प्रदान करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। ज्ञापन में यह भी याद दिलाया गया कि सिंहस्थ 2004 और 2016 के चौड़ीकरण कार्यों में भी मुआवजा दिया गया था। वर्तमान में लोक निर्माण विभाग, एमपीआरडीसी और महाकालेश्वर मंदिर समिति भी मुआवजा दे रही है, लेकिन नगर निगम अधिनियम में प्रावधान होने के बावजूद मुआवजा नहीं दे रहा है। इसके अतिरिक्त, एक अन्य पत्र के माध्यम से कांग्रेस पार्षदों के वार्डों में निर्माण कार्यों को स्वीकृत करने तथा पर्याप्त मात्रा में सफाई कर्मचारियों और कचरा वाहनों की सुचारू व्यवस्था करने की भी मांग की गई।

धरने को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने कहा कि सरकार गरीबों के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने मांग की कि पिपलीनाका और एमआर-4 क्षेत्र में प्रभावित परिवारों को बाजार मूल्य से दोगुना मुआवजा दिया जाए। भाटी ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी जनहित के विकास की पक्षधर है, लेकिन आम जन के साथ होने वाले किसी भी अन्याय के खिलाफ पूरी ताकत के साथ खड़ी है। इस दौरान उन्होंने उज्जैन उत्तर के विधायक को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि ऐसे जनप्रतिनिधि जिनका जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है, उन्हें अपने पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है।

कांग्रेस पार्टी हर पीड़ित आम जन के साथ मजबूती से खड़ी है। इस विरोध प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि राय, पार्षद माया त्रिवेदी और राजेंद्र वशिष्ठ ने भी सभा को संबोधित किया। इसके अलावा पार्षद गब्बर कुवाल, अर्पित दुबे, छोटेलाल मंडलोई, परमानंद मालवीय और सपना सांखला ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का सफल संचालन ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रभान सिंह चंदेल ने किया। संगठन महासचिव अजय राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर मुख्य रूप से फिरोज पठान, मेहताब लाला, ब्लॉक अध्यक्ष संचित शर्मा, बबलू खींची, रहीम लाला, दुर्गेश धवन, वीरेंद्र गोसर, अभिषेक शर्मा, धीरज यादव, चेन सिंह चौधरी, दिपेश जैन, राजेंद्र राठौर, रमेश सांखला, बंटी वसीम, सोनिया ठाकुर, पूर्णिमा पाण्डेय, उषा मालवीय, नीलम विश्वास, लक्ष्मीनारायण उपाध्याय, रश्मि त्रिवेदी, आत्माराम मालवीय, जीतेंद्र डागरे, ललित मीणा, राहुल लोट, जितेंद्र दूबे, आनंद कुमरावत, अर्पण राठौर, कृष्णा यादव, नरेन्द्र राव, गणेश मीणा, संजय आंजना, नौशाद भाई और रंजीत बोडाना सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कहार समाज ने खेली लट्ठमार, छड़ीमार होली, छाया ब्रज सा उल्लास

कहारवाड़ी से शिप्रा तट तक निकला भव्य ध्वज चल समारोह, वरिष्ठों का सम्मान कर ढोल-नगाड़ों की थाप पर भक्ति के रंगों में सराबोर हुए श्रद्धालु

उज्जैन (राघवकीर्ति)। बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन में इस वर्ष होली का पर्व बिल्कुल उसी अलौकिक और भव्य स्वरूप में मनाया गया, जैसा उत्साह मथुरा-वृंदावन की गलियों में देखने को मिलता है। वर्षों से चली आ रही प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हुए शहर पूरी तरह से भक्ति और गुलाल के रंगों में सराबोर नजर आया।

जीवंत हुई ब्रज और अवंतिका की सांस्कृतिक एकता

श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों के अनुसार, जिस प्रकार वृंदावन में कान्हा और राधा रानी के संग छड़ीमार होली का आनंद लिया जाता है, ठीक उसी परंपरा का निर्वहन उज्जैन में बाबा महाकाल के सानिध्य में पीढ़ी-दर-पीढ़ी किया जा रहा है। कहार समाज के अध्यक्ष शंकर चौहान ने बताया कि वृंदावन की लट्ठमार होली की तर्ज पर ही उज्जैन की कहारवाड़ी में 'कहार समाज युवा समिति' द्वारा वर्षों पुरानी परंपरा को निभाते हुए लट्ठमार व छड़ीमार होली खेली जाती है। ढोल-नगाड़ों की थाप और 'हर-हर महादेव' के उद्घोष के बीच हुआ यह उत्सव आस्था और सांस्कृतिक एकता का अनूठा प्रतीक बना।

शिप्रा तट तक निकला ध्वज चल समारोह

आयोजन के दौरान परंपरा के अनुसार समाज के सभी वरिष्ठजनों का शॉल-श्रीफल से सम्मान किया गया। इसके पश्चात कहारवाड़ी से लेकर शिप्रा नदी तक एक भव्य ध्वज चल समारोह निकाला गया, जिसमें समाज के लोगों ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

इनकी रही प्रमुख उपस्थिति

इस भव्य आयोजन और ध्वज चल समारोह में मुख्य रूप से शंकर चौहान, रघुनाथ चौहान, अशोक कहार, लीलाधर कहार, अनिल कहार, प्रशांत चंदेरी, पुरुषोत्तम कहार, पुष्पेन्द्र कहार, गणेश कहार, प्रवीण कहार, जीतेन्द्र कहार, सतीश कहार, हीरामणि कहार, गोपी बाई कहार, राम कन्या बाई, सागर बाई, और अनीता बाई सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय रहवासी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर संस्कृति भवन में नवीन कक्ष निर्माण का भूमि पूजन

विद्यार्थियों को मिलेगा बेहतर शैक्षणिक वातावरण; वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ शुभारंभ

उज्जैन (राघवकीर्ति)। ऋषि नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय (संस्कृति भवन) परिसर में सोमवार को नवीन कक्षाओं के निर्माण हेतु विधि-विधान से भूमि पूजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ इस नए निर्माण कार्य का मंगल शुभारंभ हुआ।

इस पुनीत अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विद्या भारती मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री (मालवा प्रांत) अखिलेश मिश्रा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (मालवा प्रांत) के सह प्रांत कार्यवाह रघुवीर सिंह सिसोदिया और प्रांत सहसचिव अनुराग जैन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रकाश गुप्त, उपाध्यक्ष कल्पना शर्मा, सहसचिव अभिलाष जैन और समिति सदस्य ओमप्रकाश गर्ग ने विशेष रूप से सहभागिता की। इनके अतिरिक्त संस्कृति भवन के प्राचार्य भगवान सिंह ठाकुर, संस्कार भवन के प्रधानाचार्य राधेश्याम शर्मा, मक्सी मार्ग शाखा की प्रधानाचार्य हर्षा शर्मा, सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य एकता इंग्ले सहित विद्यालय के समस्त आचार्यगण मौजूद रहे।

विद्यालय के प्रगति कार्यों की हुई सराहना

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि नवीन कक्षाओं के निर्माण से विद्यालय में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी, जिससे विद्यार्थियों को एक उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण प्राप्त हो सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान संगठन मंत्री अखिलेश मिश्रा ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय में हो रहे निरंतर विकास कार्यों और संस्था की प्रगति की मुक्त कंठ से सराहना की। आयोजन के अंत में सभी उपस्थित अतिथियों ने विद्यालय की निरंतर उन्नति और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

निराकरण में लापरवाही पाये जाने पर कार्रवाई के दिये निर्देश

कलेक्टर श्री वर्मा ने समय-सीमा के पत्रों और सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की

इंदौर (राघवकीर्ति)। इंदौर में कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज समय-सीमा (टीएल) के पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की अधिकारीवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का त्वरित, सकारात्मक और निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रिंकेश वैश्य, रोशन राय, श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने स्पष्ट किया कि समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण नहीं करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत लंबित सात प्रकरणों की रेंडम रूप से समीक्षा की। समीक्षा के दौरान लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी - कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने राज्य शासन द्वारा संचालित 'संकल्प से समाधान' अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविरों के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आगामी समय में आयोजित होने वाले ब्लॉक स्तरीय शिविरों में सभी एसडीएम और जिला स्तरीय अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने शहर के मैरिज गार्डनों में पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी मैरिज गार्डन अपने परिसर में निर्धारित 40 प्रतिशत स्थान पार्किंग के लिए आरक्षित करें। साथ ही एसडीएम को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि मैरिज गार्डनों में नियमानुसार पार्किंग की व्यवस्था है या नहीं। यदि किसी मैरिज गार्डन में पार्किंग के लिए स्थान आरक्षित नहीं पाया जाता है तो संबंधित मैरिज गार्डन के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

ऐतिहासिक गेर खत्म होते ही सड़क पर उतरा सफाई मित्रों का अमला, एक घंटे में चकाचक कर दीं सड़क

इंदौर (राघवकीर्ति)। स्वच्छता के प्रति इंदौर की प्रतिबद्धता एक बार फिर देखने को मिली। रंगपंचमी की गेर समाप्त होने के मात्र एक घंटे के भीतर ही सड़कों को पूरी तरह साफ और चमकदार बना दिया गया। मेयर पुष्य मित्र भार्गव खुद सड़कों पर सफाई करने उतरे। इंदौर सफाई में क्यों नंबर वन है, यह बात रविवार को फिर साबित हुई। दोपहर 1-45 पर आखिरी गेर राजवाड़ा से गुजरी और दो बजे सफाई अमला सड़कों पर जुट गया। मेयर पुष्यमित्र भार्गव खुद राजवाड़ा पहुंचे और उन्होंने सफाईकर्मियों के साथ मैदान संभाला। इस बार सड़क की सफाई के लिए विशेष मशीन की मदद ली गई। गेर समाप्त होने के बाद मार्ग पर कचरा, गुलाल, थैलियां बिखरी थीं। 400 कर्मचारियों की टीम एक साथ मैदान में उतरी और पहले सड़क से कचरा उठाया, फिर गुलाल समेटी। इसके बाद सड़कों की धुलाई की गई। चार किलोमीटर लंबे मार्ग पर सफाई अमला एक घंटे तक जुटा रहा।

विशेष अमला कर रखा था तैयार

इंदौर देश के साफ शहरों में से एक है। इस कारण यह गंदगी ज्यादा समय तक सड़कों पर न रहे, इसकी चिंता हमेशा की जाती है। रविवार दोपहर सड़क का कोना-कोना साफ किया गया। नगर निगम ने इसके लिए विशेष अमला तैयार किया है। हर बार सड़क को गेर समाप्त होने के बाद साफ किया जाता है, ताकि स्वच्छ शहर वाली इंदौर की छवि कायम रहे। इस बार भी सफाई वाहन पहले से गेर मार्ग के आसपास तैनात किए गए थे।

मेहनत और तकनीक का तालमेल

नगर निगम ने गेर समाप्त होने के तुरंत बाद सफाई व्यवस्था के लिए अमला जमीन पर उतारा। 10 स्वीपिंग मशीन, 7 डंपर, 6 जेसीबी मशीन, 3 लॉन्ग हॉलिंग वाहन, 3 ट्रैक्टर, 30 ओपन वाहन और 20 जेट प्रेशर मशीनों का उपयोग किया गया। इसके साथ ही 400 से अधिक सफाई मित्रों की विशेष टीम ने गेर मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में मोर्चा संभाला। पूरी टीम ने गेर निकलने के तत्काल बाद सफाई कार्य प्रारंभ कर मार्गों को फिर पहले जैसा बना दिया।

शहरवासियों को गंदी सड़कें अच्छी नहीं लगती

इस वर्ष भी नगर निगम द्वारा कचरा प्रबंधन को और अधिक व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से गेर मार्ग के विभिन्न स्थानों पर कचरा संग्रहण की विशेष व्यवस्था की गई थी। अलग-अलग स्थानों पर कचरा एकत्रित करने और उसे उठाने का कार्य किया गया, जिससे शहर की स्वच्छता की छवि बरकरार रही। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर स्वच्छता में सिरमौर रहा है। शहरवासियों को गंदी सड़कें अच्छी नहीं लगती हैं। इस कारण हमारी भी जिम्मेदारी है कि सड़क से कचरा जल्दी से साफ हो जाए। हर साल गेर समाप्त होने के बाद सड़कों को धोया जाता है। बीते साल 2025 में रंगपंचमी के अवसर पर गेर मार्ग को रंग और गुलाल से तरबतर करती रही। 2025 में गेर मार्ग पर 400 से अधिक सफाई मित्रों की टीम तैनात थी, जो मार्ग क़ी सफाई कर रही थी। गेर के विभिन्न मार्गों पर आठ डंपर लगाए गए थे। 15 डंपर कचरा शाम 7 बजे तक निकल जा चुका था। गुलाल बहुत अधिक मात्रा में सड़कों पर फैला हुआ था, जबकि जूते चप्पल कम थे। इस सफाई अभियान में 25 स्वीपिंग मशीन, 10 पानी के टैंकर, 25 टिप्पर्स और जेसीबी मशीन से सफाई की गई थी। देर शाम तक रंगपंचमी का गैर मार्ग साफ हो गया था। इस बार शांतिपूर्वक रंगपंचमी महोत्सव संपन्न होना प्रशासन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, पिछले वर्ष ट्रैक्टर से एक युवक की मौत मातम में बदल गई थी।

संकल्प से समाधान अभियान का इंदौर जिले में प्रभावी क्रियान्वयन

'संकल्प से समाधान' अभियान 31 मार्च 2026 तक चार चरणों में होगा आयोजित

अभियान के अंतर्गत एक लाख 22 हजार से अधिक आवेदनों का निराकरण

इंदौर (राघवकीर्ति)। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में इंदौर जिले में संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। संकल्प से समाधान अभियान आगामी 31 मार्च तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों की 63 सेवाओं और 40 योजनाओं के तहत आवेदकों को लाभान्वित किया जा रहा है। जिले में अब तक आयोजित शिविरों में एक लाख 25 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, इनमें से एक लाख 22 हजार 300 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। शेष आवेदनों की निराकरण की प्रक्रिया भी जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेश सरकार सुशासन और स्वराज के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेश में 12 जनवरी से संकल्प से समाधान अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान 31 मार्च 2026 तक संचालित किया जा रहा है। स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस से प्रारंभ यह अभियान ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय एवं जिला स्तर पर चार चरणों में संचालित होगा। अभियान की संपूर्ण कार्यवाही सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से संपादित की जा रही है।

अभियान के अंतर्गत चयनित योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित आवेदन एवं शिकायतों को प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसके लिए ग्राम पंचायत, वार्ड, क्लस्टर, विकासखंड एवं जिला स्तर पर शिविरों का आयोजन हो रहा है। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदनों के पंजीयन एवं निराकरण की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रथम चरण 12 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया। अभियान के प्रथम चरण में ग्राम पंचायत/नगरीय वार्ड स्तर पर आवेदन एवं शिकायतों का संग्रह किया गया। शिविर अथवा घर-घर जाकर आवेदन एकत्र कर पोर्टल पर दर्ज किए गए। प्राप्त आवेदनों की समीक्षा कर उनका निराकरण किया गया। द्वितीय चरण 16 मार्च 2026 तक चलेगा। अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में क्लस्टर स्तर तथा शहरी क्षेत्रों में जोन स्तर पर शिविर आयोजित होंगे।

शीतलाष्टक सुनें- और लाभ लें

https://youtu.be/XyhLWam7864?si=FxqKGGdyY9QcNydp

तहसीलदार, सीईओ जनपद, सीएमओ एवं समकक्ष अधिकारी नोडल अधिकारी होंगे।15 से 30 ग्राम पंचायतों का एक क्लस्टर निर्धारित किया गया है। क्लस्टर/जोन स्तर पर आवेदनों का निराकरण कर पोर्टल पर प्रविष्टि की जाएगी। तृतीय चरण 16 मार्च से प्रारंभ होकर 26 मार्च 2026 तक चलेगा।

अभियान के तृतीय चरण अंतर्गत विकासखंड एवं नगर स्तर पर शिविरों का आयोजन तथा क्लस्टर/जोन स्तर पर लंबित एवं नवीन आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, सीईओ जनपद एवं सीएमओ नोडल अधिकारी रहेंगे। चतुर्थ चरण 26 मार्च से प्रारंभ होकर 31 मार्च 2026 तक चलेगा। अभियान के चतुर्थ चरण अंतर्गत जिला स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

संवाददाता नियुक्त करना है

प्रदेश के समस्त पंचायत स्तर पर संवाददाता/विज्ञापन प्रतिनिधि नियुक्त करना है।

सम्पर्क

दैनिक राघवकीर्ति

94793 19999

दैनिक राघवकीर्ति

MPHIN/2007/22188

हर पल हर तरफ चौकस निग़ाहें-ताज़ातरीन ख़बरें

www.raghavkirti.news

WhatsApp 9755910000

जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त करने और जन-सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 की व्यापक कार्य योजना को दिया अंतिम रूप

जल संरचनाओं की सघन सफाई और प्याऊ स्थापना के साथ अमृत मित्र संभालेंगे जल संरक्षण की कमान

इंदौर (राघवकीर्ति)। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा %जल गंगा संवर्धन अभियान-2026% में प्रदेश की जल संपदा को सहेजने और नगरीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास हेतु सुदृढ़ रणनीति तैयार की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार इस कार्य योजना का मुख्य ध्येय नगरीय निकायों में पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार करना और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखते हुए नागरिकों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करना है।

इस अभियान में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शासन ने सभी नगरीय निकायों को निर्देशित किया है कि वे नदियों, तालाबों, बावड़ियों और नालों के किनारों पर किए गए अतिक्रमण को चिह्नित कर तत्काल हटाने की प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त बनाने से न केवल उनके प्राकृतिक स्वरूप को लौटाया जा सकेगा। साथ ही वर्षा जल के निर्बाध प्रवाह से भू-जल स्तर में भी आशातीत वृद्धि होगी। अभियान में बुनियादी ढांचे और स्वच्छता कार्यों के लिए व्यापक वित्तीय प्रावधान किए गए हैं, जिसमें अमृत 2.0 से प्रदेश की 112 जल संग्रहण संरचनाओं, जिनका क्षेत्रफल लगभग 3315 एकड़ है, के जीर्णोद्धार के लिये 67 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत नदियों को प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश्य से 100 प्रमुख नालों के शुद्धिकरण की योजना पर 664 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे।

विभाग ने आगामी समय में 1000 जल ग्रहण संरचनाओं के वैज्ञानिक पद्धति से संवर्धन और 5000 नाले-नालियों की सघन सफाई एवं सौंदर्यीकरण का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। नगरीय क्षेत्रों में जल संचय की आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए 5000 नई रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणालियां स्थापित की जाएंगी, जो भविष्य की जल सुरक्षा के लिए मील का पत्थर साबित होंगी।

नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विभाग ने समस्त नगरीय निकायों में रणनीतिक स्थलों जैसे प्रमुख बाजारों, बस स्टैंडों और सार्वजनिक चौराहों पर सुव्यवस्थित प्याऊ स्थापित करने के निर्देश जारी किए हैं। इससे ग्रीष्मकाल में राहगीरों और आमजन को शुद्ध पेयजल सुलभ हो सकेगा। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को अभियान का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए अमृत 2.0 के तहत 116 निकायों में 300 एकड़ क्षेत्र को नवीन हरित क्षेत्रों के रूप में विकसित किया जाएगा, जिस पर लगभग 29 करोड़ रुपये की राशि व्यय की जाएगी। आगामी मानसून सत्र के दौरान प्रदेश भर में 1 करोड़ पौधों के रोपण की तैयारी भी की गई है। अभियान में युवा शक्ति की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिये 5000 युवाओं को 'अमृत मित्र' के रूप में MY Bharat पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा, जो जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। यह एकीकृत कार्य योजना न केवल प्रदेश की जल धरोहरों को संरक्षित करेगी बल्कि एक स्वच्छ और हरित मध्यप्रदेश के संकल्प को भी साकार करेगी।

जीत का जश्न मनाने राजबाड़ा पहुंची भीड़, पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर रोका

इंदौर (राघवकीर्ति)। इंदौर के राजबाड़ा पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने खजूरी बाजार और एमजी रोड जैसे मार्गों पर बैरिकेडिंग की थी। जिससे टीम इंडिया की जीत का जश्न मनाने आए लोगों और पुलिस के बीच टकराव की स्थिति निर्मित हुई। टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की जीत के बाद शहर में जश्न का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में लोग जश्न मनाने के लिए राजबाड़ा पहुंचने लगे। भीड़ बढ़ने पर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत बैरिकेड लगाकर लोगों को रोकने की कोशिश की, जिससे कुछ लोग नाराज हो गए और वहां धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार राजबाड़ा क्षेत्र में सुबह गेर निकली थी, जिसके चलते सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन ने विभिन्न मार्गों पर बैरिकेड लगाए थे।

स्वामी, प्रकाशक श्रीमती मोहिनी उपाध्याय द्वारा मां शारदा प्रिंटर्स 28, कुम्हार पुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल मध्य प्रदेश 462008 से मुद्रित कर 25, FG, Sch 54, यश एवेन्यू, डीडीयू नगर, इन्दौर मध्य प्रदेश 452010 से प्रकाशित।
मुद्रक धर्मेंद्र सिंह, संपादक राघवकीर्ति उपाध्याय (सभी समाचारों के लिए पी आर बी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी न्यायिक मामलों का न्याय क्षेत्र जिला न्यायालय इन्दौर रहेगा। मोबा. नं. 9755910000 email- raghavkirti@gmail.com RNI No. MPHIN/2007/22188
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने हैं तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्रोतों से प्राप्त किए गए हैं, अतः इनसे प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। -सम्पादक